कार्तिक कृष्ण - 7 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 101 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 04-11-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों की 'रावण और कंस' जैसी दुर्गति होगी : योगी

6 अखिलेश व नीतीश की कांग्रेस से नाराजगी?

7 श्रीकृष्ण की कृपा रही तो लोकसभा चुनाव लड़ूंगी : कंगना रनौत

छत्तीसगढ़ में गरीब आदिवासियों के धर्मांतरण के लिए हो रहा सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पंडरिया (छत्तीसगढ़)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में सरकार के कारण धर्मांतरण बढ़ रहा है तथा गरीब आदिवासियों के धर्मांतरण के लिए सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

शाह ने कांग्रेस पर घोटालों में लिप्त होने का आरोप लगाया और कहा कि यदि उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में आती है, तो भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को जेल भेजा जाएगा। वह पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कांग्रेस का 'प्रीपेड सीएम' करार दिया और उन पर कांग्रेस के लिए 'एटीएम' बनने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भूपेश बघेल सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'कांग्रेस शासन में धर्म परिवर्तन बढ़ रहा है। संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद की आस्था का पालन करने की आजादी देता है। लेकिन उन्होंने गरीब आदिवासियों को धर्मांतरित करने के लिए सरकारी मशीनरी का उपयोग शुरू कर दिया है जो राज्य के हित में नहीं है।

पीएफआई से जुड़े दो लोगों को किया गया गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। एनआईए ने राजस्थान में गैरकानूनी गतिविधियों से संबंधित एक मामले में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एनआईए के एक प्रवक्ता के मुताबिक गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों की पहचान कोटा के वाजिद अली और मुबारिक अली के रूप में की गयी है। इन दोनों को पीएफआई के युवा सदस्यों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने में शामिल होने के आरोप में तीन अन्य, मोहम्मद आसिफ, सादिक सर्राफ और मोहम्मद सोहेल के साथ गिरफ्तार किया गया है।

नोएडा में सांप के जहर के साथ रेव पार्टी

एल्विश यादव पर मुकदमा दर्ज, पांच गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। बिग बॉस ओटीटी सीजन-2 के विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ पुलिस ने गैर कानूनी तरीके से रेव पार्टी आयोजित करने और उसमें सांप के जहर के कथित इस्तेमाल को लेकर मामला दर्ज किया है। इस मामले में पांच अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है लेकिन एल्विश फरार है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के कब्जे से कोबरा समेत नौ सांपों को बचाया गया। ये लोग बृहस्पतिवार को सेक्टर-51 के एक बैंक्वेट हॉल में रेव पार्टी के लिए एकत्र हुए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से प्लास्टिक की बोतल में रखे सांप के 20 मिलीलीटर जहर को जब्त किया तथा इसे परीक्षण के लिए भेज दिया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह शरीर में मादक पदार्थ की तरह असर करने के लिए तैयार किए गए मादक पदार्थ के समान था। अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-51 में एक बैंक्वेट हॉल में पार्टी करने के लिए एल्विश यादव सहित छह अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मेनका गांधी द्वारा संचालित पीएफए संगठन के पशु कल्याण अधिकारी गौरव गुप्ता की शिकायत के बाद वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों और आपराधिक साजिश के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

तमिलनाडु के मंत्री वेलु के परिसरों पर आयकर के छापे

द्रमुक ने की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आयकर अधिकारियों ने तमिलनाडु के मंत्री ई वी वेलु से जुड़े कई स्थानों पर शुक्रवार को छापे मारे। वह केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का सामना करने वाले राज्य के तीसरे कैबिनेट मंत्री हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता और राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आरोप लगाया कि आयकर और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी एजेंसियां भाजपा की राजनीतिक ''शाखाएं'' बन गयी हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले से कानूनी रूप से निपटा जाएगा।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि चेन्नई, कोयंबटूर, तिरुवन्नमलई और करुर समेत राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तलाशी ली जा रही है। द्रमुक के वरिष्ठ नेता वेलु अभी एम के स्टालिन नीत मंत्रिमंडल में लोक निर्माण मंत्री हैं। इस छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए उदयनिधि ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों की ऐसी कार्रवाई होती रहती है।

'दुनियाभर में रक्षा शाखाएं स्थापित कर रहा है भारत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल मनोज पाण्डे ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को कहा कि भारत का दृष्टिकोण सभी देशों की संप्रभुत्ता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान के साथ, विवादों के शांतिपूर्ण हल और अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन पर जोर देता है।

चाणक्य रक्षा संवाद में जनरल पाण्डे ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत दुनियाभर में नए स्थानों पर रक्षा शाखाएं स्थापित कर रहा है और सेना मित्र विदेशी साझेदार देशों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण और अभ्यासों का दायरा व पैमाना बढ़ाना चाहती है।

मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के संदर्भ में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा की बढ़ती महत्ता और आर्थिक व सामरिक शक्ति पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। सेना प्रमुख ने निराशा और भू-राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच भारत की स्थिति को ''उज्ज्वल'' बताया।

04-11-2023 सूर्यास्त 5:52 बजे | 05-11-2023 सूर्योदय 6:14 बजे

BSE	NSE
64,363.78	19,230.60
(+282.88)	(+97.35)

सोना	चांदी
6,335 रु.	72,734 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वारिस की खारिश

है संविधान में सब समान,
फिर कौन कहो किस से भारी।
वोटों के वारिस बनने को,
कर रहे सभी मारा-मारी।
नफरत में डूबे बोलो को,
अब समझ चुकी जनता सारी।
खुद को वारिस कहने वाले,
समझो अपनी ज़िम्मेदारी।।

ईरान में नशामुक्ति केंद्र में लगी आग, 32 की मौत

तेहरान/एपी। उत्तरी ईरान में एक निजी नशा मुक्ति केंद्र में शुक्रवार को आग लगने से 32 लोगों की मौत हो गई। ईरान के सरकारी मीडिया ने पहले 27 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी। सरकारी टेलीविजन चैनल ने बताया कि 16 अन्य घायलों को लैंग्राउड शहर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। लैंग्राउड शहर ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 200 किलोमीटर पश्चिमोत्तर में स्थित है। टीवी रिपोर्ट में कहा गया है कि नशा मुक्ति केंद्र में 40 मरीजों के रहने की क्षमता थी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सुबह जब आग लगी तो कितने कर्मचारी काम कर रहे थे।

हरित इंजीनियरिंग वक्त की दरकार, टिकाऊ संरचना का निर्माण करें : राष्ट्रपति ने एमईएस अधिकारियों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज' (एमईएस) के अधिकारियों से शुक्रवार को कहा कि ''हरित इंजीनयरिंग वक्त की दरकरार है'' । साथ ही राष्ट्रपति ने उनसे नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने वाली पारिस्थितिकी-अनुकूल एवं टिकाऊ संरचना का निर्माण करने को भी कहा।

मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए एमईएस प्रशिक्षुओं के एक समूह को संबोधित करते हुए यह कहा। उन्होंने कहा, ''इंजीनियर की भूमिका केवल जोड़-घटाव, डिजाइनिंग या निर्माण कार्य करने तक सीमित नहीं है। यह कहीं अधिक व्यापक है, और इसमें समुदायों को जोड़ना, सपनों को साकार करना तथा भविष्य को आकार देना भी शामिल है।''

राष्ट्रपति ने कहा, ''सेवा में अभी-अभी शामिल हुए युवा अधिकारी होने के नाते आप अवश्य ही पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से अवगत होंगे। पारिस्थितिकी-हितैषी, टिकाऊ संरचना का डिजाइन व निर्माण करना तथा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना आपका कर्तव्य है।''

मुर्मू ने उल्लेख किया कि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में तीव्र गति से नई प्रौद्यगिकियां और पद्धतियां उभर रही हैं। उन्होंने कहा, ''आपको बदलाव स्वीकार करने की जरूरत है। ऐसे समय में जब हमारा देश वैश्विक स्तर पर कई क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, आपको गर्व होना चाहिए कि आप उस सेवा का हिस्सा हैं जो देश एवं इसके सशस्त्र बलों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा यह राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों के अनुकूल खुद को ढाल रही है।'' मुर्मू ने इस बात पर भी जोर दिया कि एमईएस में अधिक संख्या में महिला अधिकारियों की जरूरत है।

मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति से बात की, पश्चिम एशिया की स्थिति पर की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और आतंकवाद, हिंसा व जनहानि के बारे में चिंताएं साझा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के मुताबिक दोनों नेताओं ने इजराइल और फलस्तीन के बीच जारी जंग के मद्देनजर सुरक्षा और मानवीय स्थिति के शीघ्र समाधान का आह्वान किया। पीएमओ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज संयुक्त अरब अमारात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशियाई क्षेत्र के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने आतंकवाद, बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और नागरिकों की जान जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की और साथ ही सुरक्षा और मानवीय स्थिति के जल्द समाधान का आह्वान किया। मोदी और नाहयान ने क्षेत्र में स्थायी शांति, सुरक्षा और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। पीएमओ के मुताबिक दोनों नेताओं ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी ढांचे के भीतर विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

बाद में मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पश्चिम एशिया की स्थिति पर यूएई के राष्ट्रपति मेरे भाई शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ अच्छी बातचीत हुई। हम आतंकवाद, बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और नागरिकों की जान जाने पर गहरी चिंताएं साझा करते हैं।

मोदी ने कहा, हम सुरक्षा और मानवीय स्थिति के जल्द समाधान की आवश्यकता पर सहमत हैं और एक स्थायी क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता सभी के हित में है।

इजराइल हमास के खिलाफ गाजा पट्टी में बड़े जमीनी हमले कर रहा है। गत 7 अक्टूबर को हमास ने कई इजराइली शहरों पर हमले किए थे।

एलएंडटी सहायक कंपनी एलटीआईईएल में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली/भाषा। एलएंडटी अपनी अनुषंगी कंपनी एलएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग लिमिटेड (एलटीआईईएल) में पूरी हिस्सेदारी फ्रांस की एक कंपनी को बेचेगी। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी यह विनिवेश अपने मूल कारोबार और परिसंपत्तियों पर पूरा ध्यान लगाने की प्रतिबद्धता के कारण कर रही है।

एलएंडटी ने एक बयान में कहा, कंपनी एलएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग लिमिटेड में अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। एलटीआईईएल बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए एकीकृत इंजीनियरिंग परामर्श सेवाएं प्रदाता है। हिस्सेदारी का अधिग्रहण फ्रांस की एससिस्टम एसए की सहायक कंपनी एसटीयूपी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड करेगी। कुछ शर्तों के साथ यह समझौता अगले साल 15 जनवरी तक पूरा होने की संभावना है। एलएंडटी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के सलाहकार डी के सेन ने कहा, यह गैर-प्रमुख एकीकृत परामर्श इंजीनियरिंग क्षेत्र से निकलने और हमारे मुख्य व्यवसायों पर ऊर्जा और ध्यान केंद्रित करने की ओर एक कदम है। इससे न केवल एलएंडटी को लाभ होगा बल्कि एलटीआईईएल और उसके कर्मचारियों को विकास के बड़े अवसर भी मिलेंगे।

दीपावली से पहले प्याज की कीमत बढ़ी, सरकार जवाब दे : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने दीपावली से कुछ दिनों पहले प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर शुक्रवार को कहा कि इस पर सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''दीपावली सप्ताह-भर दूर है, लेकिन खाने-पीने की चीज़ों के दाम में पहले से आग लगी हुई है। प्याज की कीमत अचानक बहुत तेजी से बढ़ने लगी है, जबकि भारत दूसरा सबसे बड़ा प्याज-उत्पादक देश है।''

प्रियंका गांधी ने सवाल किया, ''पिछले साल हमारे किसान भाइयों ने 31 लाख मीट्रिक टन प्याज पैदा किया। वह कहां है? जगत सेठ के गोदाम में? या रखरखाव की लापरवाही के चलते सड़ गया सरकारी गोदाम में?'' उन्होंने कहा, ''दूसरी ओर, चीनी के अलावा अरहर और उड़द की दालें भी आम नागरिक की पहुंच के बाहर चल रही हैं। आदमी क्या खायेगा और क्या खिलायेगा? त्योहार की खुशी कैसे मनायेगा? सरकार जवाब दे।''

सरकार ने फिल्म पाइरेसी के खिलाफ कार्रवाई के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म पाइरेसी पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं जिन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म से पाइरेटेड सामग्री को हटाने के लिए निर्देश जारी करने का अधिकार दिया गया है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के इस कदम ने फिल्म पाइरेसी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक संस्थागत तंत्र प्रदान किया है। एक अनुमान के मुताबिक पाइरेसी से मनोरंजन उद्योग को हर साल करीब 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान होता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने उद्योग जगत की एक बड़ी मांग पूरी की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन ब्यूरो (सीबीएफसी) में 12 नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं जिनके पास फिल्म चोरी से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं और 48 घंटों के भीतर कार्रवाई की जाएगी। ठाकुर ने कहा, पाइरेसी न केवल फिल्म उद्योग के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा है। अब, महज एक शिकायत करने भर से कार्रवाई हो जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि कोई भी मूल कॉपीराइट धारक या इस उद्देश्य के लिए उनके द्वारा अधिकृत कोई भी व्यक्ति यूट्यूब, टेलीग्राम चैनलों, वेबसाइट या अन्य ऑनलाइन मंचों से पाइरेटेड सामग्री को हटाने के लिए नोडल अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कर सकता है। कॉपीराइट धारक को त्वरित कार्रवाई के लिए शिकायत के साथ स्वामित्व का प्रमाण जैसे सीबीएफसी द्वारा जारी प्रमाण पत्र जमा करना होगा।

सुप्रिया सुले ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर तटकरे को अयोग्य ठहराने का अनुरोध किया

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सांसद सुप्रिया सुले और पार्टी के अजित पवार धड़े के सांसद सुनील तटकरे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर एक-दूसरे के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही में तेजी लाने का आग्रह किया है। सुले ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने चार जुलाई को एक अयोग्यता याचिका दायर की थी, जिसमें संविधान की 10वीं अनुसूची के अनुसार तटकरे को सांसद के रूप में अयोग्य घोषित करने की मांग की गई थी।

सुले ने एक बयान में कहा, ''चार महीने हो गए हैं लेकिन इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।'' उन्होंने उल्लेख किया कि उच्चतम न्यायालय ने संविधान और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए ऐसी याचिकाओं का समय पर समाधान करने का निर्देश दिया है। सुले ने बिरला को लिखे पत्र में कहा, ''मैं याचिका पर फैसला लेने और देरी नहीं करने का अनुरोध करती हूं।''

तेलंगाना चुनाव में वाम दलों के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी रहेगी : रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के बीच सीटों के बंटवारे पर बातचीत अभी चल रही है। ''प्रेस से मिलिए'' कार्यक्रम में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि वामपंथी दल, कांग्रेस के मित्र हैं और राष्ट्रीय नेतृत्व और पीसीसी की एक समिति अब भी उनके साथ संपर्क में है।

रेड्डी की टिप्पणियां तब आयी हैं जब एक दिन पहले माकपा ने कांग्रेस के साथ बातचीत बेनतीजा रहने के बाद 17 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा कर दी थी। रेड्डी ने कहा, ''एक-दूसरे को समझने में थोड़ी देरी हुई। मुझे नहीं लगता कि यह (सीट बंटवारे की वार्ता) खत्म हो गयी है। हमारा आलाकमान और पीसीसी कमेटी वार्ता जारी रखेंगे।'' उन्होंने कहा कि मुनुगोडे उपचुनाव में वामपंथी दलों ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के साथ गठबंधन किया था जिससे कांग्रेस को अपने स्थानीय नेतृत्व को अपने दम पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहने को कहना पड़ा था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर ''आपराधिक राजनीतिज्ञ'' होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि केसीआर को 10 साल तक शासन करने का मौका दिया गया लेकिन वह तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में नाकाम रहे। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस सरकार एक पुलिस शिकायत दर्ज कर कालेश्वरम परियोजना के गुणवत्ता संबंधी मुद्दों से ध्यान भटका रही है।

हैदराबाद हाफ मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे तेंदुलकर

हैदराबाद/भाषा। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर रविवार को यहां हैदराबाद हाफ मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस मैराथन में लगभग 8000 लोग भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजक एनईबी स्पोर्ट्स है और उसे तीन श्रेणियों हाफ मैराथन (21.1 किलोमीटर), 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर में आयोजित किया जाएगा। तेंदुलकर ने जारी विज्ञप्ति में कहा, ''जब दौड़ने की बात आती है तो लोग अपने लिए अलग-अलग चुनौतियां तय कर लेते हैं। किसी को अपने अभ्यास कार्यक्रम को जारी रखने की चिंता होती है तो कोई अपने आहार तो कोई फिटनेस के लिए दौड़ता है। लेकिन किसी को भी कभी यह नहीं सोचना चाहिए कि अब बहुत देर हो चुकी है।''

केंद्रीय मंत्री मुरलीधरन ने केरल सरकार की आलोचना की

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने केरल विधानसभा से पारित कुछ विधेयकों पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के हस्ताक्षर नहीं करने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख करने के लिए शुक्रवार को केरल की वामपंथी सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि खान ने भ्रष्टाचार के खिलाफ रुख अपनाया है और वह राज्य के लोगों के हितों की रक्षा करने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ विधेयकों को मंजूरी नहीं दिए जाने को उचित ठहराते हुए मुरलीधरन ने कहा कि यह राज्यपाल का रुख है कि वे ऐसे विधेयकों पर हस्ताक्षर न करें जो ''लोकायुक्त की शक्तियों को कम करते हैं'' और ''विश्वविद्यालय की शक्तियों में दखल'' की तरह हैं। मुरलीधरन ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि राज्य सरकार ऐसी परिस्थिति पैदा करने की कोशिश कर रही है जिसमें भाई-भतीजावाद और प्रमुख पदों पर अपने करीबियों की नियुक्ति बिना किसी बाधा के की जा सके।

भारत और इटली ने आवाजाही व प्रवासन साझेदारी समझौते पर किए हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोम/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इटली में अपने समकक्ष एंतोनिया ताजानी के साथ एक व्यापक व सार्थक बैठक की जिसके बाद दोनों देशों ने श्रमिकों, छात्रों तथा पेशेवरों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए आवाजाही व प्रवासन साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। जयशंकर पुर्तगाल और इटली की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम चरण में यहां पहुंचे हैं।

विदेश मंत्री ने बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' आज विदेश मंत्री एंतोनिया ताजानी के साथ एक व्यापक तथा सार्थक बैठक की।'' उन्होंने कहा, '' हमारी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के बारे में बातचीत की। इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि कृषि-प्रौद्योगिकी, नवाचार, अंतरिक्ष, रक्षा तथा डिजिटल क्षेत्र में संभावनाओं का पता लगाया जाना चाहिए।'' दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति, यूक्रेन संघर्ष और हिंद-प्रशांत परिदृश्य पर विस्तार से बात की। जयशंकर ने कहा, '' हमारी पहल और जी20 की अध्यक्षता के लिए इटली के समर्थन की सराहना की।''

उन्होंने कहा, '' हमारी बातचीत के अंत में आवाजाही व प्रवासन साझेदारी समझौते और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किए गए।'' इटली में भारतीय समुदाय की अनुमानित आबादी 180,000 है। ब्रिटेन और नीदरलैंड के बाद यूरोप में यहां भारतीय सबसे अधिक हैं।

जीएसटी: वित्त मंत्रालय ने मांग आदेशों के खिलाफ अपील करने के लिए माफी योजना शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर मांग आदेशों के खिलाफ अपील करने के लिए माफी योजना शुरू की है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अनुसार यह योजना 31 जनवरी, 2024 तक खुली रहेगी। योजना उन संस्थाओं के लिए है, जो 31 मार्च, 2023 को या उससे पहले कर अधिकारी द्वारा जारी आदेशों के खिलाफ अपनी अपील दाखिल नहीं कर सके थे।

सीबीआईसी ने बृहस्पतिवार को इस योजना के संबंध में एक अधिसूचना जारी की। अभी तक जीएसटी कानून के तहत करदाता मांग आदेश मिलने के तीन महीने के भीतर उसके खिलाफ अपील दायर कर सकते थे। इस अवधि को एक महीने और बढ़ाया जा सकता है। जीएसटी परिषद ने सात अक्टूबर को अपनी पिछली बैठक में अपील दायर करने के लिए इस माफी योजना को मंजूरी दी थी। योजना का लाभ उठाने की इच्छुक संस्थाओं को कर मांग का 12.5 प्रतिशत पहले जमा करना होगा। वर्तमान में यह राशि 10 प्रतिशत है।

इस कदम से उन करदाताओं को सुविधा होगी, जो पूर्व में निर्धारित समय अवधि के भीतर अपील दायर नहीं कर सके थे।

एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि इस योजना से उन लोगों को राहत मिलेगी जो प्रशासनिक त्रुटियों या अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण अपील की समय सीमा चूक गए होंगे।

अदालत का आरटीआई के तहत जानकारी देने से इंकार, कहा 'इससे न्यायाधीशों की जान को खतरा होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बम्बई उच्च न्यायालय के लोक सूचना अधिकारी ने सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत दक्षिण मुंबई में स्थित अदालत की पुरानी इमारत के संरचनात्मक ऑडिट के बारे में मांगी गई जानकारी देने से यह कहते हुए इंकार कर दिया कि ऐसे विवरण का खुलासा करने से न्यायाधीशों और अन्य अधिकारियों की जान को खतरा होगा।

पर्यावरण से जुड़े मामलों के कार्यकर्ता झोरू बठेना ने पिछले महीने एक आरटीआई आवेदन दाखिल कर बम्बई उच्च न्यायालय की मुख्य व सौध इमारत के पिछले तीन संरचनात्मक ऑडिट की प्रतियां मांगी थीं।

बठेना ने कहा कि उन्होंने दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल में 135 साल पुराने जलाशय के पुनर्निर्माण संबंधित एक मामले में उपयोग करने के लिए जानकारी मांगी थी। उन्होंने कहा, 'बृहन्मुंबई नगर निगम ने दावा किया कि जलाशय मरम्मत की स्थिति में नहीं है और इसके पुनर्निर्माण की जरूरत है। हम उच्च न्यायालय की इमारत और बीएमसी के मुख्यालय की इमारत का उदाहरण देना चाहते हैं, जो करीब एक सदी से भी पुरानी हैं और इनकी मरम्मत की गई है न कि इन्हें फिर से बनाया गया।'

कार्यकर्ता ने दावा किया कि उन्होंने बीएमसी की संरचनात्मक ऑडिट रिपोर्ट मांगी थी, जिसकी जानकारी उन्हें प्राप्त हो गई लेकिन उच्च न्यायालय ने जानकारी देने से इंकार कर दिया।

निर्वाचन आयोग ने 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की

हैदराबाद/भाषा। भारत निर्वाचन आयोग ने 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी और इसे तेलंगाना राजपत्र में प्रकाशित किया गया है। अधिसूचना के अनुसार, चुनाव के लिए नामांकन दायर करने की प्रक्रिया आज से शुरू हो जाएगी और 10 नवंबर तक इन्हें हर कार्यदिवस पर पूर्वाह्न 11 बजे से दिन में तीन बजे तक स्वीकार किया जाएगा। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, उम्मीदवारों द्वारा दाखिल नामांकन पत्रों की जांच 13 नवंबर को की जाएगी और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 15 नवंबर है।

नामांकन दाखिल करते समय निर्वाचन अधिकारी (आरओ) के कार्यालय से 100 मीटर की परिधि के भीतर उम्मीदवार के काफिले में केवल तीन वाहनों को जाने की अनुमति है, जबकि आरओ के कमरे के अंदर, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार सहित केवल पांच व्यक्तियों को जाने की अनुमति है।

नामांकन पत्र के साथ उम्मीदवार को फॉर्म-26 में अपने आपराधिक इतिहास, संपत्ति, देनदारियों और शैक्षणिक योग्यता के बारे में जानकारी की घोषणा करते हुए एक हलफनामा दाखिल करना होगा।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाया जाना चाहिए : केसीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भैंसा (तेलंगाना)/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में एक भी मेडिकल कॉलेज या नवोदय विद्यालय की मंजूरी नहीं दी जिसके कारण उसे 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में सबक सिखाया जाना चाहिए।

केसीआर के नाम से मशहूर राव ने यहां एक चुनावी रैली में कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी समेत उसके नेता कहते हैं कि अगर वे सत्ता में आए तो वे एकीकृत भूमि प्रबंधन पोर्टल 'धरणी' हटा देंगे जिससे फिर से ''बिचौलिया राज'' का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने 10 वर्ष में अल्पसंख्यक कल्याण कार्यों पर 12,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 900 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''हम केंद्र से प्रत्येक जिले में नवोदय स्कूल बनाने के लिए कह रहे हैं। एक भी नवोदय स्कूल को स्वीकृति नहीं दी गयी। उन्होंने राज्य को एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं दिया। उन्हें सबक सिखाने की जरूरत हैं, वरना वे हम पर हावी हो जाएंगे।'' उन्होंने लोगों से यह आकलन करने के लिए कहा कि किस पार्टी ने उन्हें फायदा पहुंचाया और चुनाव में वोट डालने से पहले इस बारे में सोचने को कहा।

कर्नाटक सरकार ने जीका वायरस को लेकर केंद्र को लिखा पत्र, कहा- स्थिति नियंत्रण में है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने राज्य के चिक्कबल्लापुर जिले में मच्छरों में जीका वायरस का पता चलने पर शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखा और कहा कि ''स्थिति नियंत्रण में है।'' राज्य स्वास्थ्य विभाग ने पत्र में कहा कि चिक्कबल्लापुर जिले के तलकायालाबेट्टा गांव में एडीज मच्छरों में जीका वायरस पाए जाने के मद्देनजर, इसके नियंत्रण के लिए उपाय तेज कर दिए गए हैं।

पत्र में कहा गया है, ''निगरानी उद्देश्य के लिए पांच किलोमीटर के दायरे को 'कंटेनमेंट जोन (सीजेड)' के तौर पर अधिसूचित किया गया है।''

राज्य सरकार ने कहा कि गर्भवती महिलाओं के सीरम नमूने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, बेंगलूरु को सौंपे गए हैं। प्रभावित गांव में पायरेथ्रम (2 प्रतिशत) कीटनाशक का छिड़काव किया जा रहा है। राज्य सरकार ने कहा कि सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सत्र ऐसे गांवों में आयोजित किए गए हैं।

इसमें यह भी कहा गया कि सीजेड में पांच गांव हैं और यहां एक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र है। इसमें कहा गया है कि अब तक, बुखार के मामलों सहित 34 सीरम नमूने जमा किए गए हैं। इसमें कहा गया है, राज्य कार्यक्रम प्रभाग द्वारा स्थिति की बारीकी से निगरानी की जा रही है और आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, स्वास्थ्य कर्मियों और आम जनता द्वारा जीका वायरस रोग की रोकथाम के लिए अपनाए जाने वाले उपायों के बारे में स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा एक सलाह जारी की जाएगी। कुल मिलाकर, स्थिति नियंत्रण में है।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बृहस्पतिवार को कहा कि विभाग के अधिकारियों ने एक विशेष बैठक की है और वायरस के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा था, ''अभी तक इंसानों में जीका वायरस का पता नहीं चला है। हालांकि एहतियात के तौर पर बुखार से प्रभावित लोगों के खून के नमूने आगे की जांच के लिए भेजे गए हैं और रिपोर्ट तीन दिनों में मिल जाएगी।''

उन्होंने जनता से अनुरोध किया कि वे घबराएं नहीं, क्योंकि जीका वायरस निपाह वायरस जितना घातक नहीं है।

अंगदान करने वालों का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार पर विचार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडु राव ने शुक्रवार को कहा कि सरकार मृत्यु के बाद अपने अंग दान करने वाले व्यक्तियों का पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही अंग दान के महत्व का प्रचार करने के लिए एक नीति बनाएगी, जिसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस नेक कार्य से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर लोगों को अंगदान के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अंगदान के जरिये एक व्यक्ति, आठ लोगों की जान बचा सकता है।

'हमारा मानना है कि जीवनदान देने का यह नेक कार्य अधिक सराहना का पात्र है और हमारी सरकार एक ऐसे कार्यक्रम पर विचार कर रही है, जिससे मृत्यु के बाद अंग दान करने वाले व्यक्तियों को मान्यता और सम्मान मिले।'

उद्घाटन

अभिनेत्री निधिका नायडू ने शुक्रवार को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में द ज्वेलरी शो आभूषण प्रदर्शनी का उद्घाटन करती हुईं।

सिद्दरामैया के '5 साल सीएम' वाले बयान से कांग्रेस में हलचल; प्रियांक खरगे ने कहा, 'पद के लिए तैयार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के इस बयान से कि वह पूरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री हैं, कांग्रेस सरकार में हड़कंप मच गया है, क्योंकि कई दावेदार अपनी आवाज उठा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के समर्थकों ने शुक्रवार को हुब्बल्ली में डीके भावी सीएम हैं के नारे लगाए, मंत्री प्रियांक खरगे ने रिंग में अपनी टोपी फेंक दी, और एक अन्य मंत्री ने परमेश्वर के लिए वकालत की। खरगे ने कहा कि अगर आलाकमान उनसे कहेगा तो वह मुख्यमंत्री बनने को तैयार हैं। दूसरी ओर सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने कहा कि राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर में मुख्यमंत्री बनने के लिए सबकुछ है।

मंत्री खरगे ने कर्नाटक में सत्ता साझेदारी पर मैसूरु में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, इस संबंध में जानकारी पार्टी में केवल चार लोगों को ही पता है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के इस बयान पर कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, खरगे ने कहा, 'मुख्यमंत्री का बयान निजी है। ये तो आलाकमान को कहना चाहिए। अगर आलाकमान कहता है कि मैं मुख्यमंत्री हूं तो मैं हां कहूंगा।'

मंत्री के.एन. तुमकुरु जिले में एक कार्यक्रम के दौरान राजन्ना ने कहा कि गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के मुख्यमंत्री बनने की पूरी संभावना है। परमेश्वर वर्तमान में गृह मंत्री हैं। भविष्य में वह किसी भी पद पर जा सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं और परमेश्वर तब तक मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के साथ हैं जब तक वह पद पर हैं। लेकिन, अगर ऐसी स्थिति में जहां सिद्दरामैया पद पर नहीं हैं, परमेश्वर मुख्यमंत्री होंगे।'' कांग्रेस सांसद और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश ने बेंगलूरु में कहा कि मुख्यमंत्री का पद अभी खाली नहीं है। उन्होंने कहा, जब मुख्यमंत्री पद पर कब्जा है तो उस पर चर्चा व्यर्थ है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और शिवकुमार को प्रशासन देने के लिए जनादेश मिला है और वर्तमान में सिद्दरामैया मुख्यमंत्री हैं और इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए, सरकार को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा, ''एआईसीसी अध्यक्ष फैसला लेंगे। व्यक्तिगत राय हो सकती है।''

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने रेखांकित किया कि एआईसीसी ने सभी नेताओं से सत्ता और पार्टी के आंतरिक मामलों पर बयान जारी नहीं करने को कहा है। उन्होंने कहा, यह छोटे और शीर्ष नेताओं पर भी लागू होता है।

शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस आलाकमान इस मामले का ध्यान रखेगा। कांग्रेस की स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व गृह मंत्री और बीजेपी विधायक अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की नींव हिल रही है और राज्य में बड़ा राजनीतिक विकास देखने को मिलेगा।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और बीजेपी विधायक सी.एन. अश्वथ नारायण ने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार के भीतर असंतोष उबल रहा है और यह जल्द ही जनता के सामने आ जाएगा।

सरकार कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 65 सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र खोलेगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राज्य सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने 'कल्याण कर्नाटक' (जिसे पहले हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र के नाम से जाना जाता था) में 65 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने का फैसला किया है।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने स्वीकार किया कि कल्याण कर्नाटक में लगभग 65 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की कमी है और उनकी सरकार इस असंतुलन को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा, कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड के सहयोग से चालू वर्ष से 65 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने की योजना है। इस बीच, मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के सभी जिला अस्पतालों, तालुक अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की इमारत की मरम्मत सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है।

अगर भाग्य ने साथ दिया तो मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं : गृह मंत्री परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मुख्यमंत्री पद को लेकर अपनी इच्छा को उजागर करते हुए शुक्रवार को कहा कि यदि भाग्य ने उनका साथ तो वह राज्य के मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने की इच्छा रखते हैं। जी परमेश्वर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य में नेतृत्व में मध्यावधि परिवर्तन की चर्चा को खारिज करते हुए दावा किया कि वह पूरे पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए राज्य के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। परमेश्वर किसी दिन उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखने की सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना की इच्छा पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

तुमकुर जिला मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राजन्ना ने कहा, ''परमेश्वर आज गृह मंत्री हैं। भविष्य में कुछ भी हो सकता है। मेरा मानना है कि आने वाले दिनों में उन्हें मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त होगा। हम उनके भाग्य को 'पूरिपूर्ण' करने के लिए काम करेंगे। इसके बारे में कोई संदेह नहीं है।'' राजन्ना ने कहा कि जिले से मुख्यमंत्री होने से वहां के लोग खुश होंगे। उन्होंने कहा, ''अगर वह (परमेश्वर) बन जाते हैं तो हम सभी को मुख्यमंत्री बनने का एहसास होगा। ''

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति के पूर्व अध्यक्ष परमेश्वर (72) ने कहा, ''मैं राजन्ना का आभारी हूं। मैं भी चाहता हूं कि ऐसा सौभाग्य घटित हो। कई योग्य उम्मीदवार हैं, जो मुख्यमंत्री बन सकते हैं। सबको अवसर मिलने दीजिए। '' हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें कब पदोन्नत किया जा सकता है।

उन्होंने इस बात से इनकार किया कि जब सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार तुमकुर में उनके घर आए थे तो इस मुद्दे पर कोई चर्चा हुई थी।

उद्घाटन

गदग में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया कर्नाटक संभ्रम 50 कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।

कर्नाटक कांग्रेस में नेताओं के बीच कोई असंतोष नहीं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य कांग्रेस के भीतर कोई असंतोष नहीं है और विपक्ष का नेता नहीं चुन पाने के लिए भाजपा की आलोचना की। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के इस दावे की पृष्ठभूमि में यह बयान महत्वपूर्ण हो गया है कि वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए पद पर बने रहेंगे।

शुक्रवार को हुबली में पत्रकारों से बात करते हुए, जब शिवकुमार से पार्टी के भीतर असंतोष के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने मीडिया से पूछा कि कांग्रेस पार्टी में असंतोष कहां है? उन्होंने कहा, भाजपा में असंतोष है और इस वजह से वे प्रमुख पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन नहीं कर पा रहे हैं।

शिवकुमार ने पूछा,आप (मीडिया) इस पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। क्या आपने कभी राज्य या देश में चुनाव के पांच या छह महीने बाद भी विपक्ष के नेता की नियुक्ति नहीं करने की घटना देखी है? जब उनसे लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए कराए गए सर्वेक्षण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, पहले ही मंत्रियों को संबंधित जिलों में भेज दिया जाता है। वे हमें रिपोर्ट देंगे। हमारे 75 फीसदी कार्यकर्ताओं, विधायकों और स्थानीय नेताओं से राय ली गई है।

शिवकुमार ने कहा, नई दिल्ली के नेताओं ने हमें उम्मीदवारों के चयन के लिए मानदंड दिए हैं, इसके आधार पर हमने उम्मीदवारों के चयन के लिए कुछ पात्रता तय की है। भाजपा द्वारा सूखे का अध्ययन कराने के सवाल पर शिवकुमार ने कहा कि उन्हें अध्ययन करने दीजिए और रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपने दीजिए। उन्होंने कहा, हमारे मंत्री एन. चेलुवरयास्वामी और कृष्णा बायरेगौड़ा ने अध्ययन के बाद लगभग 200 तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित किया है। उन्होंने यह घोषणा यूं ही नहीं की है। इस संबंध में बैठकें मांड्या, हावेरी जिलों में हो रही हैं। केंद्रीय सूखा टीम के राज्य दौरे पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सूखा राहत के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने कहा, हमने स्थिति से निपटने के लिए 1,000 करोड़ रुपये भी आरक्षित रखे हैं। शिवकुमार ने यह भी कहा कि सरकार ने राज्य का नाम कर्नाटक रखने के 50 साल पूरे होने के मौके पर पूरे साल जश्न मनाने का फैसला किया है।

कर्नाटक से लोकसभा उम्मीदवारों की सूची जल्द : शिवकुमार

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत । कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस अगले पांच दिनों में राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का अंतिम निर्णय लेगी।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य के 75 प्रतिशत से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव सर्वेक्षण करने वाले सभी मंत्रियों से जल्द ही किसी भी समय अपनी रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, इस संबंध में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी आवश्यक जानकारी और सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिससे उम्मीदवारों की सूची जारी करने में मदद मिलेगी।

डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को संकेत दिया कि युवा, नये चेहरे और जिन्हें लोग जानते हैं और जिनके पास अच्छा वक्तृत्व कौशल है, उन्हें अगले साल के लोकसभा चुनावों में पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुने जाने की प्रबल संभावना है। उन्होंने कहा कि राज्य में संभावित उम्मीदवारों को चुनने के लिए एक सर्वेक्षण किया जा रहा है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने कमाई में शानदार बढ़ोतरी दर्ज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बली। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने कमाई में शानदार बढ़ोतरी दर्ज की है। ज़ोन ने अप्रैल से अक्टूबर 2023 के दौरान 10.44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4288.27 करोड़ रुपए का सकल राजस्व (अनुमानित) अर्जित किया है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 3882.93 करोड़ रुपए था। दपरे का मूल यात्री राजस्व अप्रैल से अक्टूबर 2023 के दौरान 15.20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1801.68 करोड़ रुपए है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 1563.97 करोड़ रुपए था।

दपरे ने अप्रैल से अक्टूबर 2023 के दौरान 27.49 मीट्रिक टन माल लोड करके 11.66 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2741.40 करोड़ रुपए का मूल माल राजस्व अर्जित किया है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 2455.14 करोड़ रुपए था। माल ढुलाई में बढ़ोतरी डिवीजनों की कारोबार विकास इकाइयों द्वारा व्यापक मार्केटिंग पहल, परिसंपत्ति विश्वसनीयता को बढ़ाकर वैगनों की समय पर आपूर्ति को सक्षम करने में संचालन और रखरखाव कर्मचारियों द्वारा की गईं कोशिशों की वजह से संभव हुई है।

दपरे मार्गों के दोहरीकरण और विद्युतीकरण ने भी मालगाड़ियों के ट्रांजिट समय को कम करने, गतिशीलता और विश्वसनीयता बढ़ाने में योगदान दिया है। महाप्रबंधक संजीव किशोर ने इस उपलब्धि में शामिल सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

ऐश्वर्या आत्महत्या केस में आइसक्रीम ब्रांड के मालिक समेत 5 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डेयरी रिच आइसक्रीम के मालिक के बेटे की पत्नी ऐश्वर्या की आत्महत्या के मामले में बेंगलूरु पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि गिरफ्तार किए गए लोगों में ऐश्वर्या के पति राजेश, ससुर गिरिप्पा, सास सीता, देवर विजया और उनकी पत्नी तस्मई शामिल हैं। यह गिरफ्तारी ऐश्वर्या की मां उषा सुब्रमण्यम द्वारा बेंगलूरु के गोविंदराजनगर पुलिस में दर्ज शिकायत के बाद की गई है। ऐश्वर्या की शादी पांच साल पहले गिरिअप्पा के बेटे राजेश से हुई थी और उन्होंने अमेरिका से एमबीए की पढ़ाई पूरी की थी। ऐश्वर्या के पिता सुब्रमणि के बहनोई रवींद्र, जो डेयरी रिच आइसक्रीम कंपनी में ऑडिटर के रूप में काम करते थे, ने इस शादी के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने में मदद की थी। हालांकि, रवींद्र और सुब्रमणि परिवारों के बीच कुछ संपत्ति विवाद था, इसलिए रवींद्र ने कथित तौर पर ऐश्वर्या को खराब छवि में पेश करने की कोशिश की। उषा सुब्रमण्यम ने आरोप लगाया है कि परिवार कथित तौर पर उनकी बेटी पर अपने पति को तलाक देने के लिए दबाव डाल रहा था। शिकायत में कहा गया है कि उनके दामाद के परिवार को संपत्ति में कम होने के कारण लगातार अपमानित किया जाता था। पुलिस शिकायत में आरोप लगाया गया कि उसके दामाद के अलावा सभी ससुराल वाले उसकी बेटी को अपमानित करने में शामिल थे।

कथित तौर पर पति और ससुराल वाले दहेज के लिए ऐश्वर्या को परेशान कर रहे थे, जिसके कारण उसे तीन सप्ताह पहले अपने माता-पिता के घर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा, पीड़िता की मां का आरोप है कि दंपति के कोई संतान नहीं थी और उसके ससुर ने उसकी बेटी पर बैड करेक्टर का आरोप लगाया था। जिसके बाद उसने 26 अक्टूबर को एक सुसाइड नोट लिखकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

प्रदर्शनी

शुक्रवार को नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, बेंगलूरु में हरिपुरा पैनल-नंदलाल बोस प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान राज्यपाल थावरचंद गहलोत, नाजनीन बानू, सुधाकर राव, एम.जे. कमलाक्षी, रिकी केज और अन्य।

पाकिस्तान विश्व कप में अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेला : मिकी आर्थर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पाकिस्तान की विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बहुत क्षीण है और टीम के क्रिकेट निदेशक मिकी आर्थर ने शुक्रवार को अपनी टीम के प्रदर्शन का दो टूक आकलन करते हुए इसे लचर करार दिया।

पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका जीवंत रखने के लिए शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ और 11 नवंबर को इंग्लैंड के खिलाफ करो या मरो' के मुकाबलों में जीत दर्ज करने के अलावा अन्य नतीजों के भी अपने हक में रहने की उम्मीद करनी होगी। मैच पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में आर्थर ने कहा, मैं बहुत ही ईमानदारी से कहूंगा। मुझे नहीं लगता कि हम इस टूर्नामेंट में अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप खेले। मुझे लगता है कि 31 अक्टूबर को कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ ही पहला मैच था जिसमें हमने वास्तव में एकजुट होकर पूरा मैच खेला। मैं बस उम्मीद करता हूं कि हमारे लिए ज्यादा देर नहीं हो जाये।

आर्थर ने कहा कि खेल के बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीन विभागों में संतुलन नहीं बना पाना इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए काफी नुकसानदायक रहा। उन्होंने कहा, हमने बांग्लादेश के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी, अच्छी गेंदबाजी की और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण किया जबकि अन्य मैचों में हम एक या दो विभाग में ही ठीक रहे, वर्ना अन्य विभागों में हमें निराशा मिली।

आर्थर ने कहा, इसलिये मैं सोचना चाहूंगा कि हम लय में आ रहे हैं लेकिन खिलाड़ियों की तैयारी और रवैया प्रत्येक दिन बेहतर होगा जो बेहतरीन रहा है।

'हमें न्यूजीलैंड की शैली का क्रिकेट खेलने की जरूरत'

बेंगलूरु। लगातार तीन हार से न्यूजीलैंड की वापसी मुश्किल हो गयी है लेकिन मध्यक्रम बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें विश्व कप में फिर से वापसी करने के लिए अपनी शैली का क्रिकेट खेलना होगा। पहले चार मैच जीतने के बाद न्यूजीलैंड को भारत, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा जिससे उसके लिये सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ मैच जीतना जरूरी है। मिचेल ने कहा, हमारे लिए यह सिर्फ न्यूजीलैंड की शैली का क्रिकेट खेलकर वापसी करना है। मुझे पूरा भरोसा है कि अगर हम इन छोटी चीजों को नियंत्रित कर लेंगे और ऐसा लंबे समय तक करेंगे तो हम आगे तक पहुंचेंगे और हम जैसा चाहते हैं, वैसा नतीजा हासिल करेंगे। उन्होंने कहा, ''उम्मीद करते हैं कि इसका मतलब है कि टूर्नामेंट में हम दौड़ में शामिल हैं।''

कांग्रेस की वजह से राजनीति में विश्वास का संकट गहराया : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने देश के नेताओं एवं राजनीति के प्रति आम जनता के घटते विश्वास के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए शुक्रवार को कहा कि मुख्य विपक्षी दल की वजह से ही भारत की राजनीति में भरोसे का संकट गहराया है। सिंह ने महिला सुरक्षा सहित अनेक मुद्दों को लेकर प्रदेश की अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधा। राजस्थान के राजसमंद में भाजपा प्रत्याशी और विधायक दीप्ति माहेश्वरी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, नेताओं की कथनी और करनी में अंतर होने के कारण ही भारत की राजनीति और नेताओं पर से जनता का विश्वास धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है। कांग्रेस पार्टी ने भारत की राजनीति में विश्वास का संकट गहरा दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने भारत की राजनीति में पैदा हुए विश्वास के संकट को चुनौती के रूप में स्वीकार किया है। राम मंदिर निर्माण सहित विभिन्न घटनाक्रम का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि भाजपा ने जो कहा है कि उसे करके दिखाया है। उन्होंने कहा, भाजपा देश की सबसे विश्वसनीय राजनीतिक पार्टी है क्योंकि उसने जो कहा, वह कर दिखाया।सिंह ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने जो वादे किए थे और उनमें से कितनों को पूरा किया, इससे जनता भलीभांति परिचित है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है।

सिंह ने कहा, 'राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मैं आपसे और आपके नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं बल्कि समाज बनाने के लिए की जानी चाहिए, देश बनाने के लिए की जानी चाहिए।' रक्षा मंत्री ने कांग्रेस की तुलना क्रिकेट विश्वकप में पाकिस्तानी टीम के प्रदर्शन से करते हुए कहा कि यह चुनाव भी विश्व कप से कम नहीं है। सिंह ने कहा, 'ये चुनाव भी वर्ल्ड कप से कम नहीं है। कांग्रेस की हालत भी राजस्थान में पाकिस्तानी टीम जैसी हो गई है। चुनाव शुरू होते ही कांग्रेस टूर्नामेंट से बाहर होती दिख रही है। वहीं भाजपा, भारतीय टीम की तरह है, जो चैंपियन की तरह आगे बढ़ रही है।' राज्य सरकार की 500 रुपए में गैस सिलेंडर, महिलाओं को स्मार्टफोन देने संबंधी योजनाओं का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि वे (कांग्रेस) 'चंद चांदी के सिक्के और बख्शीश देकर, प्रदेश की जनता का ईमान खरीदने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा प्रत्याशी कुंवर विश्वराज सिंह के समर्थन में एक अन्य जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के नेता पूरे कार्यकाल तक आपस में लड़ते रहे और लोगों को इसका खामियाजा उठाना पड़ा। राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा, ' कांग्रेस की एक विधायक खुद कहती है कि वह सुरक्षित नहीं है।' सिंह, ओसियां से विधायक दिव्या मदेरणा के बयान का जिक्र कर रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह राज्य में असुरक्षित महसूस करती हैं।

राजस्थान विधानसभा चुनाव

भाजपा ने और उम्मीदवारों के नाम घोषित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए दो और उम्मीदवारों के नाम शुक्रवार को घोषित किए। पार्टी ने टोडाभीम (अजजा) सीट से रामनिवास मीणा और शिव सीट से स्वरूप सिंह खारा को मैदान में उतारा है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा इससे पहले तीन सूचियों में 182 उम्मीदवार तय कर चुकी है। इन दो और नाम के साथ वह कुल 184 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर चुकी है। राज्य की सभी 200 सीटों पर विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतगणना तीन दिसंबर को होगी। नामांकन छह नवंबर तक दाखिल किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत ने राजे को कांग्रेस की गारंटियों पर बहस की चुनौती दी जयपुर, तीन नवंबर (भाषा) मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को कांग्रेस की सात 'गारंटियों' पर बहस करने की चुनौती दी है। गहलोत ने कहा है कि राजस्थान के इस चुनाव में मुख्य मुद्दा कांग्रेस पार्टी की यही सात चुनौतियां हैं। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,राजस्थान चुनाव 2023 का मुख्य मुद्दा है कांग्रेस पार्टी द्वारा दी जा रही 7 गारंटियां। विपक्षी दल की नेता वसुंधरा राजे सिंधिया जी को मैं चुनौती देता हूं कि मेरे साथ 'कांग्रेस की 7 गारंटी' पर एक बहस करें।

राज्य की सभी 200 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतगणना तीन दिसंबर को होगी। नामांकन छह नवंबर तक दाखिल किए जा सकते हैं। राजे ने बृहस्पतिवार को बाली, बिलाड़ा व पाली आदि जगहों पर भाजपा के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए कहा था कि जनता मूर्ख नहीं है,जो कांग्रेस की झूठी गारंटी में आ जाये। उन्होंने कहा, आश्चर्य होता है जिसकी खुद की वारंटी नहीं,वह कांग्रेस अब लोगों को गारंटी देने लगी है।

राजस्थान में भाजपा का आना, कांग्रेस का जाना तय : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगानगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने दावा किया है कि राजस्थान विधानसभा चुनावों में माहौल से यह साफ हो गया है कि राज्य में पार्टी की सरकार बनने जा रही है और कांग्रेस का सत्ता से जाना तय है। धनखड़ ने राजस्थान में पार्टी के प्रचार के सिलसिले में अपने दौरे के दौरान आज श्रीगंगानगर जिले की पीलीबंगा विधानसभा सीट से पार्टी उमीदवार धर्मेंद्र मोची का नामांकन कराने के मौके पर मीडिया से बातचीत में यह कहा कि चुनावी माहौल में भाजपा के जीतने और कांग्रेस का सत्ता से बाहर जाना तय दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व पार्टी की सम्भावित हार देखकर बौखला गया है और वह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने पर उतारू है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी तुष्टिकरण, वंशवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति के चलते पतन की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनावों में यह उनका तीसरा दौरा है। इस दौरान उन्हें काफी लोगों से मिलने का मौका मिला। यहां के लोग परिवर्तन का मन बना चुके हैं और भाजपा को फिर से सेवा का मौका देना चाहते हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का आहवान किया कि वे मतदाताओं से सीधे संवाद कर उन्हें केंद्र की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और इसकी गत नौ वर्ष की उपलब्धियों से अवगत कराते हुये मतदान के लिए प्रेरित करें तथा भाजपा की जीत सुनिश्चित कर प्रधानमंत्री के हाथ मजबूत करें। राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि यहां की तानाशाही मानसिकता वाली सरकार ने हजारों किसानों की जमीनें छीनीं। वह महिलाओं तक की सुरक्षा तक नहीं कर पाई। पांच साल कांग्रेसी आपस मे लड़ते रहे और राजस्थान को विकास में पिछड़ा प्रदेश बना डाला। अब कांग्रेस की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।

भाजपा सचिव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राजस्थान के वैभवशाली गौरव को धूमिल करने का काम किया है। राजस्थान की जनता अब इसे समझ चुकी है और उसे विश्वास है कि भाजपा ही राज्य की हालत सुधार सकती है और इसका गौरव बहाल कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताये अंत्योदय के मार्ग पर चलते हुए गरीबों, वंचितों और शोषितों का उद्धार करती है। यह उन वर्गों के लिए काम करती है, जिनके बारे में कभी किसी ने नहीं सोचा। केंद्र की मोदी सरकार ने कुम्हार, लोहार, धोबी, बढ़ई, मोची और अन्य लोगों के हितार्थ विश्वकर्मा योजना लेकर आई है जिससे राजस्थान में पिछड़े वर्ग के लोगों का विकास होगा।

इस अवसर पर सांसद निहाल चंद मेघवाल, विधायक रामप्रकाश कासनिया, महिपाल ढांडा, देवेंद्र पारीक, राजीव भारद्वाज , भाल चंद सारस्वत, पुनीत राहड़, सुशील जोशी, किरण मेघवाल, नवीन बंटी, महेश गुप्ता, सुशील, जगतार सिंह, कमलेश भादू, महावीर योगी, विनोद पलसानिया, हंसराम, राय सिंह और अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

हमारी जिद है कि ईआरसीपी को हम पूरा करेंगे : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करौली। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि 13 जिलों के लिए महत्वपूर्ण ईआरसीपी योजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया जाना चाहिए। जिससे यह समयबद्ध रूप से लागू हो तथा आमजन को पेयजल एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सके। पिछले पांच वर्षों से लगातार केन्द्र से मांग करने तथा प्रधानमंत्री द्वारा किए गए वादे के बावजूद इस योजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं मिल पाया है। हमारे प्रदेश के ही जलशक्ति मंत्री ने राजनैतिक स्वार्थ के चलते इस कार्य में रोडा अटका रखा है। हमारी भी जिद है कि ईआरसीपी को हम अपने संसाधनों से पूरा करेंगे।

गहलोत शुक्रवार को करौली के सपोटरा में कांग्रेस गारंटी संवाद के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए अद्भुत कार्यों से आज राजस्थान देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। 25 लाख तक का निःशुल्क

बीमा, राइट टू हैल्थ, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, 100 यूनिट घरेलू तथा 2000 यूनिट निःशुल्क कृषि बिजली, 1 करोड़ लोगों को न्यूनतम 1000 रुपए सामाजिक सुरक्षा पेंशन, अन्नपूर्णा किट, इंदिरा रसोई योजना, 500 बच्चों की विदेश में निःशुल्क पढ़ाई, महंगाई राहत कैम्प जैसी क्रांतिकारी योजनाओं से आज प्रदेश का हर नागरिक लाभान्वित हो रहा है। अब 7 नई गारंटियों के साथ 2023 में दोबारा कांग्रेस सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की मंशा है कि देशभर में समान रूप से सामाजिक सुरक्षा कानून लागू हो।

गहलोत ने कहा कि जनता का पैसा जनहित में लगाना हमारा ध्येय है। मैंने 7 गारंटी जनता को दी है। माता-बहनों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपए देने की गारंटी इनमें शामिल है। साथ ही, गायों-भैंसों का गोबर एवं गौमूत्र खरीदने की भी गारंटी दी गई है। इससे पशुपालकों को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ बेसहारा पशुओं की संख्या में कमी आएगी एवं गौधन का संरक्षण हो पाएगा। तीसरी गारंटी के तहत सरकारी कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों को लैपटॉप एवं टेबलेट दिए जाएंगे। चैथी गारंटी में प्राकृतिक आपदाओं के शिकार लोगों को 15 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी। पांचवीं गारंटी में विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी। अंग्रेजी आज अंतर्राष्ट्रीय भाषा के साथ-साथ टेक्नोलॉजी की भाषा भी है। आज प्रदेश में 3 हजार अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में 6 लाख से अधिक बच्चे अध्ययनरत हैं। छठी गारंटी के तहत 1.05 करोड़ लोगों को 500 रुपए में गैस सिलेण्डर दिए जाएंगे। सातवीं गारंटी के तहत कर्मचारियों के लिए ओपीएस के संबंध में कानून पारित किया जाएगा ताकि भविष्य में ओपीएस जारी रह सके।

राजनीतिक दुश्मनी निकालने के लिए किया जा रहा केंद्रीय जांच एजेंसियों का उपयोग : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का उपयोग राजनीतिक दुश्मनी निकालने के लिए कर रही है। सपोटरा में कांग्रेस विधायक रमेश मीणा के नामांकन के दौरान संवाददाताओं को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा,'बड़े-बड़े अपराधियों के लिए ईडी, सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) और आयकर विभाग बनाए गए हैं लेकिन उनकी तरफ ध्यान न देकर आप (केन्द्र सरकार) राजनीतिक दुश्मनी निकाल रहे हो....सरकारें गिरा रहे हो.. डरा- धमका रहे हो...यह उचित नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'देश के लिये सीबीआई, आयकर विभाग, ईडी महत्वपूर्ण है.. इनका उपयोग आर्थिक अपराध करने वालों और अन्य अपराधियों के खिलाफ होना चाहिए लेकिन इनका प्रयोग पूरे देश में राजनीतिक नेताओं को तंग करने के लिए किया जा रहा है।'डीग जिले में 'कांग्रेस गारंटी संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा कि आज फासीवादी ताकतों द्वारा लोकतंत्र की व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा चुनी हुई सरकारों को गिराने का कृत्य निंदनीय है। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा और मध्यप्रदेश में चुनी हुई सरकारें गिराई गई थीं लेकिन राजस्थान में वो (भाजपा) कामयाब नहीं हो पाए इसलिए ईडी और दूसरी एजेंसियों का दुरुपयोग कर भय का माहौल बनाया जा रहा है।' गहलोत ने कहा कि पिछले पांच साल में राजस्थान में शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में अद्भुत काम हुआ है और इससे आज राज्य देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की योजनाओं से आज राज्य का हर नागरिक लाभान्वित हो रहा है और अब सात नई गारंटियों के साथ कांग्रेस 2023 में दोबारा सरकार बनाएंगी।

कोटा संभाग की अहम सीटों पर अभी मुकाबले तय नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में कोटा संभाग की सत्रह सीटों में झालरापाटन कोटा उत्तर, कोटा दक्षिण और लाडपुरा जैसी अहम सीटों सहित करीब आधा दर्जन सीटों को छोड़कर शेष अन्य सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के प्रत्याशियों के बीच मुकाबले की स्थिति स्पष्ट हो गई है।

पिछले कई सालों से मुख्य चुनावी मुकाबला कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच ही होता आया है। वर्तमान की दलीय स्थिति के अनुसार भी पिछले विधानसभा चुनाव में इन्हीं दोनों दलों के बीच मुख्य मुकाबला होने के कारण सीटों का बंटवारा भी कांग्रेस एवं भाजपा में ही हुआ था और तब संभाग की 17 सीटों में से कांग्रेस के खाते में 7 भाजपा के खाते में 10 सीटें गई थीं जिसमें से कोटा जिले में कांग्रेस व भाजपा को तीन-तीन, बूंदी जिले में कांग्रेस को एक, भाजपा को दो तो बारां जिले में कांग्रेस को तीन, भाजपा को एक और झालावाड़ जिले में सभी चारों सीटों पर भाजपा के खाते में गई थी जहां से निर्वाचित विधायकों में पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे (झालरापाटन) शामिल थी। कांग्रेस अब तक जारी प्रत्याशियों की पांच सूचियों में 10 और भाजपा तीन सूचियों में 14 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर चुकी हैं। कोटा जिले की दृष्टि से सबसे चर्चित सीट कोटा उत्तर है जहां से वर्तमान में मौजूदा राज्य सरकार के सबसे प्रभावशाली मंत्रियों में शामिल नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल विधायक हैं जो पिछले साल 25 सितंबर को जयपुर स्थित उनके आवास पर विधायक दल की समानांतर बैठक आयोजित किए जाने के बाद कांग्रेस के अंदरूनी विवाद में आ गए थे। पार्टी नेतृत्व उनके नाम पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

पार्टी स्तर पर इस विधानसभा सीट के संभावित दावेदारों में जिन उम्मीदवारों के नाम का पैनल केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा गया है उसमें मौजूदा विधायक शांति धारीवाल सहित उनके पुत्र प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अमित धारीवाल का नाम है। भाजपा ने कोटा जिले में लाडपुरा से कल्पना देवी को और रामगंज मंडी से मदन दिलावर को टिकट दिया है जो मौजूदा विधायक हैं लेकिन कांग्रेस दोनों ही स्थानों पर अपने प्रत्याशी तय नहीं कर पाई है।

भाजपा राजस्थान में जा रही हैं परचम फहराने : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस को किसान विरोधी बताते हुए दावा किया हैं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव में परचम फहराने जा रही है। शेखावत अजमेर जिले के किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं सांसद भागीरथ चौधरी की लिंक रोड स्थित क्रिस्टल पार्क के सामने आयोजित नामांकन सभा में शुक्रवार को यह दावा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस में टिकटों के लिये माथापच्ची हो रही है तो भाजपा राजस्थान में परचम फहराने जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसान विरोधी है, पूरे पांच साल होने जा रहे हैं, किसानों के कर्जे माफ आज तक नहीं हुए । राज्य महिला अत्याचारों के मामले में देश में पहले स्थान पर है। इतना ही नहीं इस इस कांग्रेस शासन में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। उन्होंने कहा कि पेपरलीक के मामले गहलोत सरकार के माथे पर कलंक है। चौधरी की नामांकन सभा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, उनके समर्थक एवं आमजन मौजूद थे।

देवनानी एवं भदेल ने नामांकन किए दाखिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर शहर की अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी वासुदेव देवनानी एवं अजमेर दक्षिण से भाजपा उम्मीदवार अनीता भदेल ने शुक्रवार को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के लिये गांधी भवन पर एकत्रित होने के बाद हजारों समर्थकों के साथ अजमेर उत्तर से देवनानी एवं अजमेर दक्षिण से श्रीमती भदेल ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपने नामांकन पत्र दाखिल किये।

रैली

भीलवाड़ा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विट्ठल शंकर अवस्थी की नामांकन रैली में जनता का उत्साह बढाती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों की 'रावण और कंस' जैसी दुर्गति होगी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया/लखनऊ (उप्र) /भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नारी सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि बेटियों की सुरक्षा 'डबल इंजन की सरकार' की पहली प्राथमिकता है और अगर बेटियों की सुरक्षा में किसी ने सेंध लगाने की कोशिश की तो उसकी दुर्गति 'रावण और कंस' जैसी होगी।

बलिया जिले के बांसडीह क्षेत्र में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' को बेटियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। एक आधिकारिक बयान में योगी ने कहा कि इस योजना के तहत हमारी सरकार अगले सत्र से 25 हजार रुपये देने जा रही है। यह पैसा छह चरणों में बेटियों के अभिभावकों को दिया जाएगा। वहीं 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के अंतर्गत हमारी सरकार 51 हजार रुपये दे रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 129 करोड़ रुपये की 35 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दीपावली पर गैस का एक सिलेंडर फ्री देगी। इससे प्रदेश की माताओं और बहनों को धुएं से मुक्ति मिलेगी और उनकी आंखों की रोशनी बनी रहेगी। योगी ने कहा कि 2026 में परिसीमन के बाद लोकसभा और विधानसभा चुनावों में देश की महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं की संख्या बढ़कर एक तिहाई हो जाएगी, इसके लिए हम सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन हमारी सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पुलिस बल में 20 फीसदी महिला कार्मिकों की भर्ती को सरकार ने प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया है। योगी ने कहा कि आने वाले समय में बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में भी हम ज्यादातर महिला शिक्षकों को भर्ती करने की कवायद को आगे बढ़ाने जा रहे हैं।

मणिपुर: आदिवासी विधायकों ने सुरक्षा बलों पर ज्यादती का आरोप लगाया

इम्फाल/भाषा। मणिपुर में इस हफ्ते एक पुलिस उपाधीक्षक की हत्या के बाद, 10 आदिवासी विधायकों ने मोरेह शहर में राज्य के सुरक्षा बलों द्वारा नागरिकों के खिलाफ गैर-पेशेवर व्यवहार और ज्यादती किये जाने पर चिंता जताई है। कुकी-जोमी-हमार समुदाय से आने वाले विधायकों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि कर्तव्य निर्वहन करते हुए पुलिस उपाधीक्षक की मौत होना दुखद है। साथ ही उन्होंने कहा, ''हम तेंगनौपल जिले के मोरेह और अन्य स्थानों पर हमारे लोगों के खिलाफ राज्य के सुरक्षा बलों द्वारा लगातार ज्यादती व अत्याचार किये जाने को रेखांकित करना चाहेंगे।''

विधायकों ने यह भी दावा किया कि राज्य के सुरक्षा बलों ने आगजनी, अंधाधुंध गोलीबारी करने, और नागरिक संपत्ति, वाहन, अन्य घरेलू सामान लूटने तथा बगैर उकसावे के बर्बरता की, जिसके चलते आम लोगों को घर-बार छोड़ कर भागने को मजबूर होना पड़ा।

इन विधायकों के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि मोरेह में अभियान इस तरीके से चलाया गया कि नागरिक अधिकारों का हनन नहीं हो। उन्होंने बताया कि राज्य के सुरक्षा बलों और केंद्रीय बलों ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया।

बीते चार वर्षों में ईडी, सीबीआई के 95% मामले भाजपा के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ : विपक्ष

गुवाहाटी/भाषा। असम में विपक्षी दलों ने शुक्रवार को दावा किया कि पिछले चार वर्षों में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज किए गए 95 प्रतिशत मामले उन राजनीतिक दलों के नेताओं के खिलाफ हैं जो सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रतिद्वंद्वी हैं। विपक्षी दलों ने कहा कि एक भी मामले में भाजपा के किसी नेता का नाम नहीं लिया गया। इसके विपरीत, जब केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार दस वर्षों तक सत्ता में थी, तब इन दो संघीय एजेंसियों द्वारा उठाए कई मामलों में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के नेताओं का नाम लिया गया था।

असम के 15 राजनीतिक दलों के संयुक्त विपक्षी मंच ने कहा कि ये निष्कर्ष बताते हैं कि भाजपा सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को 'नियंत्रित करने के हथियार' के रूप में इस्तेमाल कर रही है। संयुक्त विपक्षी मंच की ओर से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की असम इकाई के प्रमुख रिपुन बोरा ने कहा, '' सीबीआई और ईडी देश की दो सबसे महत्वपूर्ण स्वायत्त जांच एजेंसियों में से एक हैं। लेकिन दुर्भाग्य से, 2014 से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के तहत, इन्हें राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को नियंत्रित करने के लिए कठपुतली और हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। '' टीएमसी के अलावा विपक्षी मंच के अन्य दलों में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), असम जातीय परिषद, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और रायजोर दल शामिल हैं। रिपुन बोरा ने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाले शासन के दौरान 2019 से 2023 के बीच इन दोनों जांच एजेंसियों द्वारा लिए गए 95% मामले विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं के खिलाफ रहे हैं।

उत्तर प्रदेश : नर्सिंग छात्रावास के समीप गैस रिसाव होने से छह छात्राएं बेहोश

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय परिसर में स्थित नर्सिंग छात्रावास के निकट एक पम्प हाउस से शुक्रवार को क्लोरीन गैस के सिलेंडरों से रिसाव होने के कारण आधा दर्जन छात्राएं बेहोश हो गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, छात्राओं को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग और रिफाइनरी के कामगारों ने मिलकर रिसाव पर काबू पाया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अजय कुमार वर्मा ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे नर्सिंग छात्रावास के समीप क्लोरीन गैस का रिसाव हुआ, जिसकी वजह से करीब आधा दर्जन छात्राएं बेहोश हो गईं। छात्राओं को तुरंत ही जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद सभी की हालत बेहतर हो गई। इस बीच, दमकल विभाग ने एक घंटे के भीतर कड़ी मशक्कत के बाद रिसाव पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि वाटर पम्प हाउस से जिला अस्पताल को पानी की आपूर्ति की जाती है और उसी के लिए यहां सौ-सौ किलो के क्लोरीन गैस से भरे दो सिलेंडर रखे हुए थे। अधिकारी ने बताया हालांकि उन सिलेंडरों का उपयोग नहीं होने के कारण उन्हें वहां से हटाने की कवायद शुरु की जा रही है।

बिहार में धार्मिक आयोजन के दौरान हंगामे में दो महिलाओं की मौत, पांच अन्य घायल

सारण/भाषा। बिहार के सारण जिले में शुक्रवार को एक धार्मिक आयोजन के दौरान हंगामे में दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

यह घटना दरियापुर पुलिस थाने के अंतर्गत मस्तिचक गांव में सुबह छह बजे गायत्री यज्ञ के दौरान हुई।

मृतकों की पहचान रामकली देवी(65) और पार्वती देवी (70) के रूप में हुई है। दोनों औरंगाबाद की रहनेवाली हैं।

सारण के जिलाधिकारी अमन समीर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,'यज्ञशाला में हवन करने के लिए लगभग 150 लोग धक्का-मुक्की कर रहे थे जिसमें अधिकतर महिलाएं थीं। इस दौरान दो बुजुर्ग महिलाएं और कुछ अन्य श्रद्धालु गिर गए। हालांकि, हमने सीसीटीवी फुटेज देखी है जिसमें भगदड़ को कोई संकेत नहीं है।' उन्होंने बताया कि इस घटना में दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत हो गई और अन्य पांच घायल हो गए। घायलों का पास के ही अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

अधिकारी के अनुसार, दोनों मृतकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं और उनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, आगे की जांच जारी है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' विशुद्ध अवसरवादी, जिसका टूटना निश्चित है : रविशंकर प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) को 'विशुद्ध अवसरवादी' करार दिया और कहा कि इसका टूटना निश्चित है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ अपने चुनावी क्षेत्र छिंदवाड़ा में मुश्किल स्थिति में हैं।

इससे पहले, कल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल के महीनों में गठबंधन के कार्यों की गति को आगे बढ़ाने में असमर्थता के लिए पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की व्यस्तता को जिम्मेदार ठहराया था। प्रसाद ने दावा किया कि कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ अपने गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा में मुश्किल स्थिति में हैं, जहां से वह 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मैदान में हैं। उन्होंने कहा, ''मैं कल छिंदवाड़ा गया था और आप सभी को बताना चाहता हूं कि छिंदवाड़ा में कमलनाथ गहरे संकट में हैं। अगर वह चुनाव हार जाएं तो आश्चर्यचकित न हों। यात्रा के दौरान यह मेरा अवलोकन है।'' प्रसाद ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने खुद स्वीकार किया है कि इन दिनों 'इंडिया' गठबंधन में दिक्कत है। नीतीश ने कहा कि (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी के पास चुनाव के कारण विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के लिए समय नहीं है।

बंगाल के 22 जिलों में कला दीर्घाएं स्थापित की जाएंगी : मंत्री इंद्रनील सेन

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार में सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों तथा पर्यटन मंत्री इंद्रनील सेन ने कहा कि राज्य के 22 जिलों में कला दीर्घाएं स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक साल में विदेशी और घरेलू पर्यटकों को बंगाल की समृद्ध कला और सांस्कृतिक संसाधनों से रूबरू कराने के लिए पर्यटन स्थलों पर पर्यटन और दृश्य कला के सामंजस्य के साथ कला दीर्घाओं की स्थापना करना चाहती है। सेन ने बृहस्पतिवार को राज्य संचालित चारुकल उत्सव के उद्घाटन समारोह में कहा, हमने अगले छह महीने में 22 जिलों में से प्रत्येक में एक कला दीर्घा बनाने का फैसला किया है, जहां प्रतिभाशाली स्थानीय युवा कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर सकते हैं। हुगली जिले के चंदननगर में ऐसी दीर्घा स्थापित करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

चारुकला परिषद के अध्यक्ष और प्रख्यात चित्रकार जोगेन चौधरी ने कहा कि दो से नौ नवंबर तक आयोजित होने वाला चारुकला उत्सव आम लोगों और ललित कलाओं के बीच एक पुल के रूप में काम कर रहा है। चारुकला परिषद के उपाध्यक्ष और प्रख्यात चित्रकार सुवप्रसन्ना ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित अनूठा उत्सव, बंगाल के विभिन्न हिस्सों में उभरते कलाकारों को प्रोत्साहित करेगा।

प्रदर्शनी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई दिल्ली में शुक्रवार को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 'साइलेंट कन्वर्सेशन : फ्रॉम मार्जिन्स टू द सेंटर' नामक एक कला प्रदर्शनी का दौरा किया।

उत्तर प्रदेश : बाराबंकी में प्रापर्टी डीलर की गला रेतकर हत्या

बाराबंकी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में एक प्रॉपर्टी डीलर की गला रेतकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, प्रॉपर्टी डीलर लखनऊ का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि घटना बाराबंकी के कुर्सी थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार रात की है। एसपी दिनेश कुमार सिंह सहित कई पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। हत्या का मामला दर्ज कर चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि कुर्सी थाना क्षेत्र में स्थित किसान पथ पर हबीबपुर गांव के निकट एक कार के पास व्यक्ति के घायल स्थिति में पड़े होने की सूचना मिली थी।

मध्यप्रदेश चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी कांग्रेस, सिंधिया की अनुपस्थिति से फर्क नहीं पड़ेगा : दिग्विजय सिंह

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करेगी और ज्योतिरादित्य सिंधिया की अनुपस्थिति से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने सिंधिया की बदौलत नहीं बल्कि अपने दम पर बड़ी संख्या में सीटें जीतीं थीं।

उन्होंने कहा ''अगर आप (2020 में) उपचुनावों के नतीजे देखें तो साफ पता चलता है कि पार्टी के पक्ष में उतने खराब परिणाम नहीं आए हैं। ग्वालियर और मुरैना में हमने (कांग्रेस पार्टी ने) स्थानीय निकाय चुनाव जीते हैं। इसलिए इसका पूरा श्रेय सिंधिया को देना ठीक नहीं है।'' सिंह से पूछा गया था कि सिंधिया की अनुपस्थिति से कांग्रेस पर क्या असर पड़ेगा? कांग्रेस पार्टी ने 2018 में एक होकर चुनाव लड़ा था और इस बार भी पार्टी पूरी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ रही है। मप्र में 2018 में संपन्न विस चुनाव में जीत के बाद, कांग्रेस ने 15 साल के अंतराल में राज्य में कमलनाथ के नेतृत्व में सरकार बनाई। लेकिन मार्च 2020 में सिंधिया और उनके प्रति वफादार विधायकों के भाजपा में शामिल होने पर कांग्रेस की सरकार गिर गई। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, ''पहली बात तो यह है कि लोग भाजपा सरकार से बहुत नाराज हैं और यह कहने वाला मैं अकेला व्यक्ति नहीं हूं। ऐसा तो मीडिया भी कह रहा है।'' उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर है और लोग भाजपा से तंग आ चुके हैं वहीं कांग्रेस ने इस बार काफी तैयारी की है।

विश्व कप व्यक्तिगत उपलब्धियों पर ध्यान लगाने का मंच नहीं: अय्यर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। श्रीलंका के खिलाफ यहां 82 रन (52 गेंद) की पारी खेलने के बाद श्रेयस अय्यर आगामी मैचों में भारत के लिए शतक जमाने की उम्मीद लगाये हैं और उनका कहना है कि विश्व कप जैसे मंच पर व्यक्तिगत उपलब्धियां अहम नहीं होती हैं।

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ आठ विकेट पर 357 रन का बड़ा स्कोर बनाया लेकिन कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं जड़ सका। उसके लिये शुभमन गिल ने 92, विराट कोहली ने 88 और अय्यर ने 81 रन की पारी खेली। लेकिन बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी के सामने फीका पड़ गया जिनकी बदौलत भारत ने 302 रन से जीत हासिल की।

अय्यर ने मैच के बाद कहा, ''यह ऐसा मंच है जिसमें आप टीम के लिए खेलते हो। आप अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिए नहीं खेलते। ''

उन्होंने कहा, ''हम निश्चित रूप से शतक या अर्धशतकों से चूक जाने के बारे में बातचीत करते हैं। लेकिन अगर मैं 47वें या 48वें ओवर में बल्लेबाजी कर रहा हूं तो मैं इसके बारे में नहीं सोचूंगा। मैं गेंद को अच्छी तरह देख रहा हूंगा लेकिन उस विशेष गेंद को चूक जाऊंगा। ''

श्रेयस अय्यर ने कहा, ''और कुछ गेंद बाद हो सकता है कि 100 रन पर पहुंच जाऊं। लेकिन आगे कुछ और मैच हैं, उम्मीद करता हूं कि मैं एक शतक बना पाऊंगा। ''

दमघोंटू प्रदूषण से भी अधिक खतरनाक हैं केजरीवाल: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के अत्यधिक उच्च स्तर पर पहुंचने के मुद्दे पर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर 'अक्षम' होने और झूठे वादे करने का आरोप लगाया तथा कहा कि वह लोगों के लिए वायु प्रदूषण से भी 'अधिक खतरनाक' हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण को रोकने के लिए 2022 में आज ही के दिन एक साल का समय मांगा था। उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वह इस मुद्दे पर एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करें और लोगों को बताएं की उनकी सरकार ने इस दिशा में क्या कदम उठाए हैं। भाटिया ने दावा किया कि वह करीब नौ साल से सत्ता में हैं लेकिन उन्होंने प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा, ''अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। वह अक्षम होने के साथ ही और झूठे वादों के लिए भी जाने जाते हैं।'' भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि दिल्ली के अलावा पूरा देश उन्हें 'सबसे अक्षम और निष्क्रिय' मुख्यमंत्री मानता है। उन्होंने कहा, ''दिल्ली में प्रदूषण का यह दमघोंटू होना लोगों के लिए खतरनाक है लेकिन अगर कोई ज्यादा खतरनाक है तो वह केजरीवाल हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य क्षुद्र, निम्न स्तर की राजनीति करना है।'' भाजपा नेता ने कहा कि आप के नेता कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समन से भाग गए हैं लेकिन उन्हें लोगों के सवालों का जवाब देना चाहिए।

जांच के लिए तैयार हूं : महुआ मोइत्रा

स्त्री-द्वेष के खिलाफ संरक्षण की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। 'सवाल पूछने के लिए पैसे लेने' की सुनवाई के दौरान लोकसभा आचार समिति पर अपमानजक प्रश्न करने का आरोप लगाने वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने जांच में सहयोग करने की अपनी इच्छा जाहिर की है। साथ ही, उन्होंने स्त्री-द्वेष से संरक्षण की जरूरत और शिष्टता के मानदंड को बरकरार रखने पर भी जोर दिया।

मोइत्रा ने पीटीआई-भाषा को दिये साक्षात्कार में आचार समिति की जांच को 'राजनीति के कारण चुनिंदा तरीके से निशाना बनाना' करार दिया और कहा कि इसका एकमात्र मकसद उन्हें संसद से निष्कासित कराना है। मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि समिति की सुनवाई के दौरान उनसे उनके निजी जीवन के बारे में अप्रासंगिक सवाल पूछे गए। उन्होंने कहा, ''मैं जांच के लिए, और सभी सवालों के जवाब देने के लिए हमेशा से तैयार हूं। लेकिन एक मर्यादा होनी चाहिए, जिसका उल्लेख किये जाने की जरूरत है। मुझे ओछे और अपमानजक सवाल से संरक्षण की जरूरत है। मैंने इस बारे में लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखा है।'' कृष्णानगर से सांसद ने जांच से जुड़े किसी भी सवाल का जवाब देने को इच्छुक होने की बात दोहराई। उन्होंने कहा, ''मैंने लोकसभा स्पीकर से कहा है कि उन्हें अशोभनीय, स्त्री-द्वेष के खिलाफ मुझे संरक्षण देना होगा। जांच से जुड़ी किसी भी चीज का मैं पहले ही जवाब दे चुकी हूं। मैंने अपना पक्ष 100 बार स्पष्ट किया है। यदि मैंने कोई नियम तोड़ा है तो मुझे जानकारी दी जानी चाहिए। यदि वे सवाल पूछना चाहते हैं, तो यह ठीक है, लेकिन इस तरह से नहीं।''

ईडी ने भूमि घोटाला मामले में रांची की जेल में छापा मारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले के गवाहों को प्रभावित करने और सबूत मिटाने के षड़यंत्र रचे जाने की सूचना के आधार पर शुक्रवार को बिरसा मुंडा जेल पर छापा मारा। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

धनशोधन मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत के तहत जेल में रखा गया है। सूत्रों ने कहा कि कुछ गिरफ्तार स्थानीय बाहुबलियों द्वारा गवाहों को प्रभावित करने, ईडी अधिकारियों को नुकसान पहुंचाने और सबूतों से छेड़छाड़ करने या नष्ट करने की साजिश रचे जाने की जानकारी मिलने के बाद एजेंसी के अधिकारियों ने जेल के कर्मचारियों के साथ छापेमारी शुरू की।

एजेंसी ने इस मामले में लगभग 14-15 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 2011-बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी छवि रंजन भी शामिल हैं, जो पहले राज्य के समाज कल्याण विभाग के निदेशक और रांची के उपायुक्त के रूप में कार्यरत थे।

जांच ईडी के इस आरोप से संबंधित है कि झारखंड में माफिया द्वारा भूमि के स्वामित्व को अवैध रूप से बदलने का एक बड़ा रैकेट चल रहा था।

स्मिथ से समानता की वजह से सोशल मीडिया पर तेंदुलकर की प्रतिमा सुर्खियों में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को सम्मान देने के लिए वानखेड़े स्टेडियम में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया लेकिन ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के साथ समानता के कारण यह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।

इस प्रतिमा में तेंदुलकर स्ट्रेट ड्राइव लगाते हुए दिख रहे हैं। उनकी प्रतिमा गुरुवार को उनके नाम पर बने स्टैंड के पास स्थापित की गई थी। नेटिजन्स (इंटरनेट पर सक्रिय रहने वाले) ने स्मिथ के चेहरे से समानता देखकर इसके जुड़े मीम्स सोशल मीडिया पर साझा करने लगे।

एक प्रशंसक ने समानता का मज़ाक उड़ाते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''यह स्मिथ युग और उनका प्रभाव है। यही कारण है कि यह स्मिथ की प्रतिमा की तरह दिख रही है। हो सकता है कि उन्होंने सचिन की जगह स्टीव को बनाया हो, लेकिन यह स्मिथ का प्रभाव है।'' एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, ''इसकी भरपाई के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया स्मिथ के रिटायरमेंट के बाद एससीजी पर सचिन की मूर्ति लगाएगा।''

सुविचार

इन्सान ख्वाहिशो से बंधा एक जिद्दी परिंदा ? है, जो उम्मीदों से ही घायल है, और उम्मीदों से ही जिंदा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बड़ी चुनौती

वायु प्रदूषण दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। अगर सरकारों ने समय रहते गंभीरता दिखाई होती तो हालात इतने मुश्किल नहीं होते। पाकिस्तान का लाहौर तो दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार हो गया है। वैश्विक वायु गुणवत्ता निगरानी मंच आईक्यूएयर डॉट कॉम की रिपोर्ट हमारे लिए इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि यह (लाहौर) हमारे पड़ोसी देश का शहर है, जो सीमा पर स्थित है। अगर उसकी आबो-हवा बिगड़ेगी तो उसका असर भारत पर भी हो सकता है। बारह करोड़ की आबादी वाले पाकिस्तानी पंजाब में ऐसे हालात तब हैं, जब वहां 'स्मॉग आपातकाल' लागू किया जा चुका है। अगर यह कदम न उठाया जाता तो अब तक लाहौर एक गैस चैंबर बन गया होता। वहां पराली जलाने पर सख्ती बरती जा रही है, धुआं छोड़ने वाले वाहनों को जब्त किया जा रहा है। क्या ये कोशिशें पर्याप्त हैं? क्या इनसे ही वायुमंडल स्वच्छ हो जाएगा? अगर एक-डेढ़ दशक पहले यह रणनीति बनाई जाती कि अधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों को सड़कों से हटाया जाएगा, कचरा जलाने पर पाबंदी होगी, सौर ऊर्जा पर जोर दिया जाएगा और अधिकाधिक पौधे लगाए जाएंगे तो आज हालात कुछ और होते। भारत के भी कई शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक है। राष्ट्रीय राजधानी में हर साल इन्हीं दिनों वायु प्रदूषण बहुत सुर्खियों में रहता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप के शब्दबाण चलते हैं। आम जनता परेशान होती है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय तो इस समस्या से निपटने के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से 'सक्रिय' होने की अपील कर रहे हैं। उनके द्वारा यह कहा जाना कि न केवल राष्ट्रीय राजधानी, बल्कि समूचा उत्तर भारत प्रदूषण की चपेट में है, अपनी जिम्मेदारी दूसरों पर डालने जैसा है। उधर, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा दिल्ली के मुख्यमंत्री से बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 'स्मॉग टावर', 'एयर प्यूरिफायर' और पानी का छिड़काव करने वाले यंत्रों की स्थिति के बारे में पूछ रहे हैं।

दिल्ली के कई इलाकों में तो हालत यह है कि जो लोग रोज़ाना प्रात: कालीन सैर और व्यायाम के लिए निकलते थे, वे इन गतिविधियों से परहेज कर रहे हैं। प्रदूषित हवा में गहरी सांस लेने से स्वास्थ्य को लाभ की जगह हानि हो सकती है। लोग सोशल मीडिया पर भी इसकी तस्वीरें पोस्ट कर रहे हैं। ज्यादा दिक्कत उन लोगों को है, जिन्हें सांस संबंधी कोई बीमारी है। तो इस समस्या का समाधान क्या है? वास्तव में हमें अपने गांवों-शहरों को इस समस्या से निपटने के लिए तैयार करना होगा। जितनी देरी होगी, उतना ही नुकसान है। हमें पेट्रोल-डीजल की जगह इलेक्ट्रिक तथा एथनॉल जैसे पर्यावरण-अनुकूल वैकल्पिक ईंधन तथा हरित हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाना होगा। इसके साथ ही साइकिल में संभावनाएं तलाशनी होंगी। खासतौर से इलेक्ट्रिक साइकिल एक अच्छा विकल्प बन सकती है। जिन दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम संभव है, वहां हफ्ते के आधे दिनों में यह सुविधा दी जाए। हमें भविष्य में सौर ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग की रणनीति बनाकर उस पर अमल करना होगा। यह धरतीवासियों के लिए ऐसा वरदान है, जिसका अब तक बहुत कम उपयोग किया गया है। आज कई स्थानों पर सौर ऊर्जा का उपयोग सिंचाई, प्रकाश, विद्युत उपकरणों के परिचालन और भोजन बनाने के लिए किया जा रहा है। केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने ऊर्जा बचत के दो कार्यक्रमों की शुरुआत की है, जिनके तहत कम बिजली खपत करने वाले एक करोड़ पंखे और 20 लाख चूल्हे वितरित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से विस्तार होना चाहिए। वहीं, सौर ऊर्जा से चलने वाले चूल्हों पर जोर देना चाहिए। आज भी कई गांवों में खाना पकाने, दूध गर्म करने और पशुओं के लिए खाद्य सामग्री तैयार करने के लिए लकड़ियों और परंपरागत ईंधन का उपयोग किया जा रहा है, जिससे वायु प्रदूषित हो रही है। जिन राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं सामने आती हैं, वहां 'बायोमास' संयंत्रों की स्थापना होनी चाहिए, ताकि किसानों को लाभ हो। आज कई किसान पराली बेचकर अच्छी कमाई कर रहे हैं।

ट्वीटर टॉक

भारत में क्रिकेट का विश्वकप चल रहा है।कांग्रेस की हालत भी राजस्थान में पाकिस्तानी टीम जैसी हो रखी है। चुनाव शुरू होते ही कांग्रेस टूर्नामेंट से बाहर होती दिखाई दे रही है। जबकि भाजपा भारतीय क्रिकेट टीम की तर्ज़ पर चैंपियन की तरह विजय की तरफ़ आगे बढ़ रही है।

-राजनाथ सिंह

झालावाड़ परिवार के चारों विधानसभा क्षेत्रों झालारापाटन, डग, मनोहरथाना एवं खानपुर की जनता से आशीर्वाद लेने के लिए आज विशाल जनसभा में उपस्थित रहूंगी। जहां आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है। आओ, एक बार फिर साथ चलें!

-वसुंधरा राजे

प्रदेश को कांग्रेस के कुशासन से मुक्त कराना है। परिवर्तन लाना है और कमल खिलाना है। सुजानगढ़ विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी संतोष मेघवाल जी की नामांकन सभा रैली में जनता की मौजूदगी में सब ने कांग्रेस को इस बार वोट की चोट से सत्ता से बाहर करने का संकल्प ले लिया है।

-राजेन्द्र राठौड़

प्रेरक प्रसंग

सत्य दर्शन से कल्याण

साथियों संग घुड़सवार हो, बस्ती से गुजर रहे एक राजकुमार को अचानक हृदय व्यथित कर देने वाला क्रंदन सुनाई पड़ा। उन्होंने दर्दभरी चीत्कार का कारण जानना चाहा। साथियों ने अवगत कराया कि एक व्यक्ति अपने दास को बुरी तरह पीट रहा है जिसकी यह दर्दभरी कराहट है। राजकुमार ने पूछा कि दास का अपराध क्या है? उत्तर मिला-वह दास खरीद लिया गया है जिसके साथ बतौर मालिक जैसा चाहे वैसा व्यवहार कर सकता है।

इस बाल राजकुंवर का अंतर्मन व्यथित हो गया। मन ही मन संकल्प लिया कि उनके राज्य में ऐसी पीड़ादायक दास प्रथा का अंत कर दिया जाएगा। कठोर तपस्या के पश्चात इसी राजकुमार को एक सत्य के दर्शन हुए, जिनकी ज्ञानचेतना ने जैन धर्म का 24वां तीर्थंकर बना दिया। जो राजा सिद्धार्थ के पुत्र वर्द्धमान से कालांतर में 'महावीर स्वामी' के नाम से आद्यांत प्रतिष्ठित एवं पूजित हैं। अहिंसा परम धर्म प्रचारित कर पशुबलि व मानव उत्पीड़न को दूर करने में महावीर स्वामी का योगदान अप्रतिम है।

सामयिक

अखिलेश व नीतीश की कांग्रेस से नाराजगी?

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बड़ी जोर-शोर के साथ जिस विपक्षी गठबंधन की नींव पड़ी थी, पांच राज्यों में चुनाव के बीच वह दरकती दिख रही है। पहले समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस यानी इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका को लेकर तल्ख तेवर दिखाए। अब इस एकजुटता की कवायद के कर्णधार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी नाराज हैं। दरअसल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर पटना की मीटिंग से विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस यानी इंडिया गठबंधन का गठन हुआ था।

नीतीश कुमार ने जहां एक ओर कांग्रेस पर सवाल उठाए, वहीं खुद को सबको साथ लेकर चलने वाला बताया। नीतीश ने कहा, हम सबको एकजुट करते हैं। सभी को साथ लेकर चलते हैं। उन्होंने कहा, हम लोग सोशलिस्ट हैं। सीपीआई से भी हमारा रिश्ता पुराना है। कम्युनिस्ट सोशलिस्ट को एक होकर आगे चलना है। दरअसल, नीतीश कुमार भाजपा से नाता तोड़ने के बाद से विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश में जुट गए थे। उन्होंने अलग अलग राज्यों में जाकर विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात की थी। नीतीश 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को साथ लाने में सफल भी हुए थे। इसके बाद नीतीश ने जून में पटना में विपक्षी दलों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में कांग्रेस, टीएमसी, शिवसेना, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, डीएमके, लेफ्ट समेत 15 दल के नेता शामिल हुए थे।

इस बैठक के बाद बेंगलूरु में विपक्षी दल के नेता मिले थे। इस बैठक में 20 से ज्यादा दलों के नेता शामिल हुए थे। लेकिन बैठक का नेतृत्व कांग्रेस ने किया था। यहां तक कि राहुल गांधी ने अचानक बिना चर्चा के गठबंधन का नाम इंडिया तय कर दिया था। इस पर ममता बनर्जी ने भी समर्थन दिया था। हालांकि, नीतीश कुमार इस नाम के पक्ष में नहीं थे। इतना ही नहीं नीतीश कुमार बैठक के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता से पहले ही पटना लौट आए थे। इसके बाद नीतीश कुमार की नाराजगी की खबरें सामने आई थीं। कहा गया था कि जिस तरह से विपक्ष की बैठक को कांग्रेस ने हाईजैक किया, उससे नीतीश नाराज हैं। लांकि, मुंबई में आयोजित तीसरी बैठक में नीतीश कुमार हिस्सा लेने पहुंचे थे।

पटना, बेंगलूरु और मुंबई में आयोजित हुईं बैठकों के बाद इंडिया गठबंधन तो बन गया। हालांकि, सीटों के बंटवारे, संयोजक कौन होगा, भाजपा से मुकाबले के लिए गठबंधन की रणनीति क्या होगी ये तय नहीं हो सका था। हाल ही में सीटों के बंटवारे को लेकर जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा था कि 5 राज्यों में चुनाव के बाद इस पर बात होगी।

गौरतलब है कि विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए पटना से कोलकाता, दिल्ली से चेन्नई एक कर देने वाले नीतीश कुमार ने कहा है कि आजकल गठबंधन का कोई काम नहीं हो रहा। कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त है, इस तरफ ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने ये भी कहा कि हम सबको एकजुट कर, साथ लेकर चलते हैं। हम लोग सोशलिस्ट हैं। सोशलिस्ट और कम्युनिस्ट को एक होकर आगे चलना है। अब नीतीश के इस बयान के मीन-मेख निकाले जाने लगे हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले केंद्र की सत्ता पर काबिज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए को हराने के लिए एक सीट पर एक उम्मीदवार के फॉर्मूले की वकालत करने वाले नीतीश आखिर अचानक इतने तल्ख क्यों हो गए?

सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं, क्योंकि इस बयान के एक दिन पहले ही नीतीश कुमार से जब इंडिया गठबंधन में अनबन को लेकर सवाल हुआ, तब उन्होंने हाथ जोड़ लिए थे। ऐसे समय में जब उत्तरप्रदेश में अखिलेश यादव ने 65 सीटों पर चुनाव लड़ने का एकतरफा ऐलान कर अपनी लकीर खींच दी है, नीतीश कुमार के इस बयान के मायने क्या हैं? सुशासन बाबू का ये बयान कहीं हिंदी पट्टी के दो बड़े राज्यों में इंडिया गठबंधन का रास्ता ब्लॉक हो जाने का संकेत तो नहीं? नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी कह चुके हैं कि गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है। हम फिर बैठेंगे और मिलकर आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। ऐसे में सवाल विपक्षी गठबंधन के भविष्य को लेकर भी उठ रहे हैं।

अब सवाल ये भी उठ रहे हैं कि जब इंडिया के घटक दल पहले से ही महागठबंधन में साथ हैं तो फिर समस्या कहां है? कहा तो ये भी जा रहा है कि जिस तरह कांग्रेस ने राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत सभी चुनावी राज्यों में और सपा ने उत्तर प्रदेश में अपनी लकीर खींच दी है। नीतीश कुमार की रणनीति भी कुछ वैसी ही हो सकती है। दरअसल, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां बिहार में 14 सीटों पर दावा कर रही हैं। 40 सीटों वाले सूबे में अगर कांग्रेस-लेफ्ट को उनकी मांग के मुताबिक 14 सीटें दे दी जाएं तो फिर जेडीयू और आरजेडी के लिए 26 सीटें ही बचती हैं। जेडीयू के 16 उम्मीदवार 2019 में जीते थे जबकि आरजेडी 19 सीटों पर दूसरे स्थान पर रही थी। जेडीयू पिछले चुनाव में जीती सीटों से कम सीटों पर तैयार नहीं होगी। अब दूसरा पहलू ये भी है कि कांग्रेस 2019 में केवल एक सीट जीत सकी थी और अब दावा 10 पर कर रही है।

विधानसभा चुनाव की बात करें तो कांग्रेस ने 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे और पार्टी महज 19 सीटें ही जीत सकी थी। तब महागठबंधन सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत के जादुई आंकड़े से मामूली अंतर से पीछे रह गया था और इसके लिए कांग्रेस के प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया जाने लगा था। कहा जा रहा है कि 2019 के आम चुनाव और 2020 के बिहार चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए नीतीश कुमार कांग्रेस को अधिक सीटें देने के पक्ष में नहीं हैं। नीतीश कुमार के ताजा बयान को कांग्रेस के लिए सख्त संदेश की तरह देखा जा रहा है कि बिहार में उसे उनकी ही माननी पड़ेगी। पहले अखिलेश और अब नीतीश के बयान को पांच राज्यों के नतीजों के बाद बारगेन पावर बढ़ने की उम्मीद लगाए कांग्रेस के लिए झटके की तरह देखा जा रहा है। अखिलेश ने तो दो टूक कह दिया है कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जीत भी जाते हैं तो किसी मुगालते में ना रहें। यहां दाल नहीं गलने वाली।

उत्तर प्रदेश और बिहार, दोनों ही राज्य लोकसभा चुनाव के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। लोकसभा के 543 में से 120 सदस्य इन्हीं दो राज्यों से चुनकर आते हैं। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो उत्तर प्रदेश -बिहार के सदस्यों की तादाद कुल सदस्य संख्या के करीब 22 फीसदी पहुंचती है। ऐसे में सवाल ये भी है कि अपनी खोई जगह वापस पाने के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस इन दो राज्यों में सहयोगी दलों की शर्तें मानेगी या यहां इंडिया गठबंधन का रास्ता ब्लॉक हो जाएगा?

नजरिया

यूपी में सपा की 80 में से 65 लोकसभा सीटों पर दावेदारी

अजय कुमार
मोबाइल : 9335566111

मध्य प्रदेश में 'चोट' खाई इंडिया गठबंधन की प्रमुख भागीदारी समाजवादी पार्टी अब फूंक-फूंक कर कदम बड़ा रही है। मध्यप्रदेश विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने तय किया था कि समाजवादी पार्टी को इंडिया गठबंधन का हिस्सा होने के बाद भी सीटों के बंटवारे में हिस्सा नहीं मिलेगा। वहीं अब उत्तर प्रदेश को लेकर समाजवादी पार्टी ड्राइविंग सीट पर है और उसने साफ कह दिया है कि वह(सपा) यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। इसके बावजूद यदि इंडिया गठबंधन चलता रहा तो भी वह कम से कम 65 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। यानी 80 फीसदी से अधिक लोकसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी के ही प्रत्याशी नजर आयेगें। बाकी की 15 सीटें कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकदल के बीच में बंट जायेंगी। सपा नेतृत्व जिस तरह के तेवर दिखा रहा है, यदि वह उस पर अड़ा रहा तो यूपी में इंडिया गठबंधन संकट में आ सकता है।बहरहाल, गठबंधन को लेकर कांग्रेस से बढ़ती दूरियों के बीच यह यह पहला मौका है जब इंडिया गठबंधन में शामिल सपा लोकसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर खुलकर सामने आई हैं। सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीटों के तालमेल को लेकर आखिरी समय तक उनकी कांग्रेस नेता कमलनाथ से बात होती रही। कमलनाथ ने भी कहा था कि मप्र में छह विधानसभा सीटों पर सपा अच्छा चुनाव लड़ेगी। इसी आधार पर कांग्रेस ने हमें सीटें देने का आश्वासन दिया था, लेकिन अंततोगत्वा कांग्रेस ने उस इकलौती सीट पर भी अपना प्रत्याशी उतार दिया जहां पिछले विधानसभा चुनाव में सपा प्रत्याषी की जीत हुई थी। सपा प्रमुख ने कहा कि उप्र में सपा बड़ी पार्टी है, लिहाजा लोकसभा चुनाव में उप्र में सीटों के तालमेल में उसकी निर्णायक भूमिका होगी।

खैर, गठबंधन का सूरत जो भी हो,परंतु सपा का शीर्ष नेतृत्व चुनाव तैयारियों मे कोई कमी नहीं रहने देना चाहता है। सपा अध्यक्ष ने लोकसभा चुनाव में पार्टी की चुनावी तैयारियों को उड़ान देने के साथ इस पर भी जोर दिया कि पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के कदम यथार्थ के धरातल पर टिके रहें। उन्होंने यह भी साफ किया कि जातिवार जनगणना की पैरोकारी करते हुए सपा की चुनावी तैयारियां 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) को फोकस में रखते हुए की जाएं। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में प्रभारी नियुक्त करने के प्रयोग से असंतुष्ट सपा प्रमुख ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के लिए प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों व सदस्यों को हर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी का दायित्व सौंपा है। विधानसभा क्षेत्र प्रभारी पर संबंधित क्षेत्र में पार्टी के बूथ प्रबंधन व सदस्यता अभियान को गति व मजबूती देने के साथ मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की निगरानी की जिम्मेदारी भी होगी। उसे आवंटित विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक बूथ अध्यक्ष, बूथ, सेक्टर व जोनल प्रभारियों का भौतिक सत्यापन करना होगा और विभिन्न कमेटियों के सदस्यों से परिचय प्राप्त करना होगा। बूथ कमेटियों का सत्यापन करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके गठन में पीडीए का फार्मूला लागू हुआ है और वह सही तरीके से काम कर रही हैं। उनसे विधानसभा क्षेत्र में 100 ऐसे बूथ चिन्हित करने के लिए कहा गया है जिनमें पीडीए का वर्चस्व हो और इन बूथों पर पार्टी के वोट बढ़ाने की हिदायत दी गई है। इसके अलावा विधानसभा क्षेत्र प्रभारी को क्षेत्र में सक्रिय रहना होगा और उन्हें माह के पहले शनिवार को होने वाली पार्टी की जिला इकाई की बैठक और महीने की पांच तारीख को होने वाली विधानसभा क्षेत्र की बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना होगा।

मंथन

भारत की भौगोलिक, सामाजिक आर्थिक विषमताएं

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2023 तक यह प्रयास करती रही है कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए, पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है। वर्तमान में भारत की सामाजिक, भौगोलिक, आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द्र की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरुआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 141 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं।

पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं, पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया। वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाए। संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पाया। हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगा। केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती है। गरीबों को अनाज देने के साथ-साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे, तब जाकर देश की स्थिति सुधर सकती हैश्र हमें गरीबी के अनेक स्वरूपों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए हमें पिछड़ी जाति, दलित, दिव्यांग,महिलाएं, गरीब बच्चे के लिए सर्वाधिक योजनाओं को महत्व देकर निशुल्क शिक्षा, रोजगार गारंटी तथा कौशल विकास तथा पारदर्शी स्वास्थ्य योजनाओं को हर पंचवर्षीय योजना में लागू किया जाना होगा, पर अब हर वर्ष नई नई योजनाएं बनाकर उस पर प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर सफल बनाना होगाश्र यह सर्वविदित है कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही नवीन भारत का मार्ग प्रस्तुत हो सकता है। भारतीय समाज में जातिवाद एक बड़े नासूर की तरह हम सबके समक्ष खड़ा है। जात पात को खत्म करने के लिए स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात कई महान पुरुषों ने अपना जीवन लगा दिया था, जिनमें प्रमुख ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम उल्लेखनीय है। इनके समुचित प्रयास के बाद भी जातिवाद को आज भी भारत में खत्म नहीं किया जा सका है,बल्कि यह बड़े रूप में सामने आए हैं एवं राजनीतिक समीकरण के कारण यह और उभर कर सामने आया है। जिसका फायदा राजनीतिज्ञ अपने चुनाव के समय वोटर को अपने पक्ष में करने के लिए उठाते हैं। वर्ष 1947 के बाद स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 1955 में सिविल अधिकार एक्ट लागू किया इसके बावजूद हालात जस के तस हैं।

हमारा देश एक बहू धार्मिक सांस्कृतिक एवं विविधता वाला देश है। भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में माना जाता है। सांप्रदायिकता को रोकने के लिए संसद में अनेक संशोधन हुए हैं इसके बावजूद देश में धार्मिक सौहार्द बनाने में बहुत असफलताएं सामने आई है। यहां सांप्रदायिक दंगे भी हुए हैं, जिसे सरकार रोकने का भरसक प्रयास करती रही लेकिन सदैव उन्हें असफलता ही हाथ लगी है। संप्रदाय, जाति प्रथा, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा चर्च के विवाद के कारण ही सांप्रदायिकता सदैव खतरे में रही है। सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाने के कई पहलुओं पर गहन चिंतन मनन भी किया गया पर इसमें बहुत बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है, सांप्रदायिकता के साथ जुड़ी हुई आतंकवाद की घटनाएं हुई इस संदर्भ में जोड़ी जाती रही है। आतंकवाद, नक्सली समस्या केवल भारत देश की नहीं है यह अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले चुकी है। भारत आतंकवाद से स्वतंत्रता के बाद से लगभग 73 वर्ष से इस समस्या से जूझ रहा है कश्मीर में आतंकवाद, झारखंड, बिहार, बस्तर, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में नक्सली समस्या अपना सिर उठा चुकी है।

हमारे परंपरागत दुश्मन वैसे तो पाकिस्तान और चीन है पर पाकिस्तान और तालिबान एक साथ मिलकर कश्मीर में आतंकवाद का तांडव मचाकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर भी किया हैश्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल से भारत को स्वच्छ निर्मल और स्वस्थ रखने की नई योजनाओं को लागू कर उस पर अमल करना शुरू किया है। स्वच्छ भारत भी एक अभियान की तरह भारत में प्रचलित है। महात्मा गांधी की सदैव कल्पना रही है कि भारत स्वच्छ रहे और इसी कार्यक्रम में सरकार ने सभी शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय बनाने की योजना को तीव्र स्तर पर लागू भी किया है। पर यह शत-प्रतिशत अनुपालन में नहीं आई है। इसके अलावा भारत कई योजनाओं में एक साथ काम कर रहा है, जैसे चुनाव में संशोधन,श्रम कानूनों में सुधार, पंचायती राज में संशोधन, आर्थिक सशक्तिकरण तथा कार्यपालिका न्यायपालिका तथा विधायिका में सामंजस्य बनाने का प्रयास भी किया गया। भारत में हर वर्ष बाढ़, सूखा तथा भूकंप के झटके भी महसूस किए जाते रहे और इस पर प्रभावी नियंत्रण लाने का प्रयास भी किया गया है। इसके लिए भी अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। कुल मिलाकर नवीन भारत की संकल्पना के साथ भारत में तमाम पहलुओं पर विचार करते हुए अपनी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जाना चाहिए, तब जाकर भारत एक नवीन भारत की कल्पना को साकार रूप दे सकता है एवं विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकता है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बातचीत

नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में मोदी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (राजस्थान) के छात्रों के साथ बातचीत करते हुए।

आईएएसी साहित्य महोत्सव में दिखाई जाएगी भारत के स्वदेशी कोविड-19 रोधी टीके की कहानी

न्यूयॉर्क (अमेरिका)/भाषा

अमेरिका में इस महीने होने वाले साहित्य महोत्सव में 60 से अधिक पुरस्कार विजेता, जाने माने लेखक एवं कवि एकत्रित होंगे और इस दौरान भारत में विकसित कोविड-19 रोधी टीके की कहानी से लेकर शुरुआती बौद्ध कला तक कई कलात्मक एवं शोध कार्यों की झलक दिखेगी।

जाना माना सांस्कृतिक संगठन 'इंडो-अमेरिकन आर्ट्स काउंसिल' (आईएएसी) 18-19 नवंबर को साहित्य महोत्सव, 2023 की मेजबानी करेगा।

आईएएसी के उपाध्यक्ष राकेश कौल ने कहा, ''हमारा मानना है कि आईएएसी साहित्य महोत्सव सिर्फ शब्दों का जमावड़ा नहीं है, बल्कि दुनिया का संगम है। यह महाद्वीपों को जोड़ने वाली आवाजों और संस्कृतियों का उत्सव है। यह एक प्रामाणिक भारत-अमेरिकी अनुभव को भी प्रतिबिंबित करता है।''

आईएएसी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि इस साल का महोत्सव ''असाधारण नवचेतना का सप्ताहांत और साहित्य, संस्कृति और बौद्धिक प्रवचन का उत्सव होगा।''

इस वर्ष के महोत्सव में शामिल होने वाले प्रख्यात लेखकों और विचारकों में पुलित्जर पुरस्कार विजेता विजय शेषाद्रि, राष्ट्रीय पुस्तक पुरस्कार की अंतिम सूची में जगह बनाने वाली सारा थेंकम मैथ्यूज और ग्रैमी में नामित कलाकार, मानवतावादी और उद्यमी चंद्रिका टंडन शामिल हैं। टंडन ने हाल में अपना पांचवां एल्बम 'अम्मूज ट्रेजर्स' रिलीज किया, जिसमें 35 गीत और 21 मंत्र शामिल हैं।

महोत्सव के मुख्य आकर्षणों में 'गोइंग वायरल: मेकिंग ऑफ कोवैक्सिन - द इनसाइड स्टोरी' पुस्तक और इसके लेखक प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बलराम भार्गव होंगे, जो पहले स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग में सचिव और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद में महानिदेशक के रूप में कार्य कर चुके हैं।

रैली

कोलकाता में भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ विरोध रैली निकालते हुए।

भूटान नरेश तीन दिवसीय यात्रा पर असम पहुंचे, कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की

गुवाहाटी/भाषा

भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने असम की अपनी पहली तीन दिवसीय यात्रा शुक्रवार को गुवाहाटी में नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर के दर्शन करके शुरू की।

इससे पहले, पड़ोसी हिमालयी देश के 43 वर्षीय राजा यहां लोकप्रिय गोपीनाथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे जहां राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, उनके कैबिनेट सहयोगियों और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वांगचुक को असम का पारंपरिक गमछा भेंट किया गया और उन्होंने मुख्यमंत्री एवं उनके कैबिनेट सहयोगियों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

भूटान नरेश हवाई अड्डे से कामाख्या मंदिर गए, जहां पुजारियों, असम के पर्यटन मंत्री जयंत मल्ला बरुआ और राज्य एवं कामरूप मेट्रो जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मंदिर के बोर-दोलोई (प्रमुख पुजारी) कबींद्र प्रसाद शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि भूटान नरेश ने पीले रंग के पारंपरिक बौद्ध वस्त्र धारण कर गर्भगृह में पूजा-अर्चना की, मंदिर की 'परिक्रमा' की तथा दीपक प्रज्वलित किए। उन्होंने बताया कि वांगचुक ने मंदिर के पुजारियों से कहा कि वह अपने परिवार के साथ फिर से मंदिर में देवी के दर्शन करने आएंगे।

प्राधिकारियों ने उन्हें कामाख्या मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। राजा के यहां पहुंचने पर हवाई अड्डे के बाहर असम के विभिन्न समुदायों के सांस्कृतिक समूहों ने प्रस्तुति दी और अपने वाहन में बैठे वांगचुक ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया।

वह दोपहर में एक होटल में भूटानी प्रवासियों से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा शाम को भूटान नरेश के साथ बैठक करेंगे।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया उनके सम्मान में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रिभोज का आयोजन करेंगे।

भूटान नरेश और उनके साथ आया दल शनिवार को एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान जाएंगे। वांगचुक रविवार को जोरहाट से नई दिल्ली रवाना होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के लोगों की ओर से ''भूटान नरेश महामहिम जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।'' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''हमारे माननीय प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) के मार्गदर्शन में हम अपने दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं।''

राज्य कैबिनेट ने सद्भावना प्रदर्शित करते हुए बुधवार को भूटान की शाही सरकार के लिए तीन एमबीबीएस सीट आरक्षित रखे जाने को मंजूरी दी।

श्रीकृष्ण की कृपा रही तो लोकसभा चुनाव लड़ूंगी : कंगना रनौत

देवभूमि द्वारका/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने शुक्रवार को चुनावी राजनीति में उतरने का संकेत देते हुए कहा कि अगर भगवान कृष्ण की कृपा रही तो वह अगला लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। कंगना आज सुबह भगवान कृष्ण के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए यहां आई थीं। पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि क्या वह अगला लोकसभा चुनाव लड़ेंगी, तब कंगना ने कहा, श्री कृष्ण की कृपा रही तो लड़ेंगे। उन्होंने 600 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को संभव बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रशंसा की।

अभिनेत्री ने कहा, भाजपा सरकार के प्रयासों से हम भारतीयों को 600 वर्षों के संघर्ष के बाद यह दिन देखने को मिला है। हम बड़े धूमधाम के साथ मंदिर की स्थापना करेंगे। सनातन धर्म का ध्वज पूरे विश्व में फहराया जाना चाहिए। अपनी हाल में रिलीज हुई फिल्म 'तेजस' में कंगना वायुसेना के पायलट का किरदार निभा रही हैं। कंगना ने सरकार से तीर्थयात्रियों को समुद्र के नीचे डूबे प्राचीन द्वारका शहर के अवशेषों को देखने की अनुमति देने के लिए उपाय करने का भी आग्रह किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं हमेशा कहती हूं कि द्वारका एक दिव्य नगरी है। यहां सब कुछ अद्भुत है। द्वारिकाधीश कण-कण में विद्यमान हैं। जब हम उन्हें देखते हैं तो मैं धन्य हो जाती हूं। मैं हमेशा कोशिश करती हूं कि जितना संभव हो सके, यहां आकर भगवान के दर्शन कर सकूं। जब भी मुझे काम से थोड़ी फुर्सत मिलती है, मैं आ जाती हूं। उन्होंने कहा, पानी में डूबी द्वारका नगरी को ऊपर से भी देखा जा सकता है। मैं चाहूंगी कि सरकार ऐसी सुविधा दे कि लोग पानी के अंदर जाकर अवशेषों को देख सकें। मेरे लिए कृष्ण की नगरी स्वर्ग के समान है।

भारत में बड़े बाजार में एप्पल की हिस्सेदारी कम, जबकि वहां गुंजाइश अधिक : टिम कुक

न्यूयॉर्क/भाषा

एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने भारत को कंपनी का एक मुख्य केंद्र करार देते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी दिग्गज की देश के बड़े बाजार में '' हिस्सेदारी कम '' है, जबकि वहां ''काफी गुंजाइश'' तथा ''सकारात्मकता'' है।

कुक ने बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम से इतर कहा, '' भारत में सर्वकालिक राजस्व अर्जित किया गया। हम दोहरे अंकों में मजबूत हुए। यह हमारे लिए अविश्वसनीय रूप से रोमांचक बाजार है और हम प्राथमिकता से वहां ध्यान दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि एप्पल की '' बड़े बाजार में हिस्सेदारी कम है और इसलिए ऐसा लगता है कि वहां काफी संभावनाएं हैं।'' कुक भारत में हार्डवेयर इकाइयों की गति व वृद्धि के अवसर पर किए एक सवाल पर यह बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एप्पल भारत में '' एक असाधारण बाजार देखता है। कई लोग मध्यम वर्ग श्रेणी में आ रहे हैं, वितरण बेहतर हो रहा है, बहुत सारी सकारात्मकताएं हैं।'' कंपनी ने मुंबई और दिल्ली में दो खुदरा स्टोर स्थापित किए हैं। इस पर कुक ने कहा, ''वे हमारी उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। यह अब भी शुरुआती दौर में है, लेकिन उन्होंने अच्छी शुरुआत की है और इस समय चीजें जिस तरह से जारी हैं उससे मैं काफी खुश हूं।'' एप्पल ने अपने वित्त वर्ष 2023 की 30 सितंबर को समाप्त हुई चौथी तिमाही के वित्त परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने इस तिमाही 89.5 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व दर्ज किया। यह पिछल साल से एक प्रतिशत कम है, जब राजस्व 90.1 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। कुक ने कहा कि एप्पल ने भारत में '' अभी तक का रिकॉर्ड राजस्व '' हासिल किया। साथ ही ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, इंडोनेशिया, मैक्सिको, फिलीपीन, सऊदी अरब, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और वियतनाम सहित कई देशों में सितंबर तिमाही में रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया गया।

डंकी में शिक्षक की भूमिका में नजर आएंगे बोमन इरानी

मुंबई/वार्ता

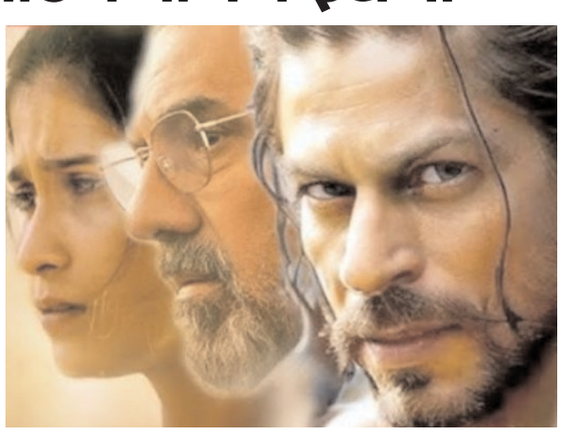

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता बोमन इरानी अपनी आने वाली फिल्म डंकी में शिक्षक की भूमिका में नजर आयेंगे। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म 'डंकी' में शाहरुख खान, बोमन ईरानी, तापसी पन्नू और विक्की कौशल सहित कई कलाकार शामिल हैं। बोमन इरानी डंकी में शिक्षक की भूमिका में नजर आयेंगे।शिक्षक की भूमिका में बोमन इरानी इससे पहले राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' और 'मुन्ना भाई' सीरीज में दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। उन्होंने फराह खान कुंदर की 'मैं हूं ना' में शाहरुख खान के साथ एक प्रोफेसर के रूप में स्क्रीन भी साझा की, जहां उनकी केमिस्ट्री को सिनेप्रेमियों द्वारा बेहद सराहा गया।

डंकी' में अभिनय के बारे में बात करते हुए बोमन रानी ने कहा, 'इस विशेष फिल्म का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। जीनियस राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान, जो वास्तव में सबसे बड़े स्टार हैं, के साथ काम करना एक बार फिर वास्तव में आनंददायक रहा है। लंबे समय के बाद, मैं एक बार फिर एक शिक्षक की भूमिका निभा रहा हूं और मेरे किरदार में एक दिलचस्प कहानी है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक वास्तव में इसका आनंद लेंगे। मैं अपने दिल के टुकड़े को दर्शकों के सामने लाने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकता।'

डंकी रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट, राजकुमार हिरानी फिल्म्स और जियो स्टूडियोज द्वारा समर्थित है। राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित, फिल्म डंकी 22 दिसंबर, 2023 को रिलीज होगी।

विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी शुक्रवार को असुसिओन में पराग्वे के राष्ट्रीय ललित कला एवं प्राचीन वस्तु संग्रहालय का दौरा किया।

फिल्म 'विवाह-3' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता प्रदीप पांडेय चिंटू की आने वाली फिल्म विवाह 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। विवाह 3 प्रदीप पांडेय चिंटू मुख्य भूमिका में नज़र आने वाले हैं, वहीं आम्रपाली दुबे फिल्म विवाह 3 चिंटू के अपोजिट मुख्य भूमिका में है। यह फिल्म यशी फिल्म्स ,अभय सिन्हा और रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत और निशांत उज्ज्वल निर्मित है।इस फिल्म का निर्देशन रजनीश मिश्रा ने किया है।विवाह 3 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म विवाह 3 को लेकर निर्माता निशांत उज्ज्वल ने कहा कि फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। ऐसे में हम दर्शकों से आग्रह करेंगे कि आप इस पारिवारिक और सामाजिक फिल्म को अपने परिजनों के साथ सिनेमाघरों में जाकर देखें।

उन्होंने कहा कि हमने बतौर निर्माता इस फिल्म को पूरी तन्मयता से बनाया है। हम कभी भी फिल्म की क्वालिटी से समझौता नहीं करते हैं और यही वजह है कि हमने एक और बेहतरीन फिल्म लेकर आने की कोशिश की है।

फिल्म विवाह 3 में प्रदीप पांडेय चिंटू और आम्रपाली दुबे के साथ संयुक्ता राय, अवधेश मिश्रा, संजय पांडेय, रोहित सिंह मटरू, राम सुजन सिंह, अनिता रावत, मनोज द्विवेदी, रजनीश झा, निशा सिंह, अविनाश तिवारी, स्पेशल गाना यामिनी सिंह, अजय कुमार निरहुआ और बबलू खान प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सह निर्माता डॉ संदीप एवं सुशांत उज्ज्वल हैं। छायांकन महेन्द्र शेरला और गीतकार रजनीश मिश्रा, प्रफुल तिवारी ,अभिजीत मिश्रा हैं। एक्शन एस मल्हेश और कोरियोग्राफर मोना शेख, मनोज गुप्ता एवं लक्की विश्वकर्मा हैं।

अपने पीछे अच्छे काम की विरासत छोड़कर जाना चाहती हूं: सुष्मिता सेन

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री सुष्मिता सेन का कहना है कि एक समय बॉक्स ऑफिस की सफलता उनके लिए सफल होने का पैमाना हुआ करती थी, लेकिन अब वह गुणवत्तापूर्ण काम करने पर अधिक ध्यान देती हैं। 'बीवी नंबर 1', 'फिलहाल', 'आंखें' और 'मैं हूं ना' जैसी फिल्मों से लोकप्रियता हासिल करने वाली सेन ने पांच साल तक अभिनय से दूरी बनाकर रखी और उन्होंने 2000 में 'डिज्नी प्लस हॉटस्टार' ओटीटी मंच पर रिलीज हुई सीरीज 'आर्या' के साथ अभिनय के क्षेत्र में वापसी की। सेन ने कहा, ''जब मैंने फिल्म जगत में शुरुआत में की थी, तब मेरा लक्ष्य यह था कि मेरी फिल्में सफल हों और मैं यह सोचती थी कि सफल होने के लिए फिल्म को कितने करोड़ों रुपए का कारोबार करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''अब मैं अपने पीछे ऐसे काम की विरासत छोड़कर जाना चाहती हूं, जिसे आप और अन्य लोग जब पीछे मुड़कर देखें तो कहें कि यह अच्छी अभिनेत्री थी।'' हाल में ओटीटी मंचों के जरिए अभिनय क्षेत्र में वापसी करने वाली सेन की सीरीज 'आर्या' का तीसरा सीजन शुक्रवार को 'डिज्नी प्लस हॉटस्टार' पर रिलीज हुआ। उन्होंने हाल में 'ताली' सीरीज में एक ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता का किरदार निभाया था।

सेन (47) ने कहा कि उन्होंने बड़े पर्दे से अभिनय जगत में कदम रखा था, इसलिए वह फिल्मों में काम करना चाहती हैं, बशर्ते पटकथा में दम हो। राम माधवानी और संदीप मोदी द्वारा निर्मित 'आर्या' हालैंड की टेलीविजन सीरीज 'पेनोजा' का आधिकारिक रीमेक है, जिसकी कहानी एक महिला और अपने परिवार को बचाने के उसके संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। पूर्व 'मिस यूनिवर्स' सेन ने कहा, ''किसी भी अभिनेता या अभिनेत्री के लिए ('आर्या' में आर्या और 'ताली' में गौरी सावंत) इन किरदारों को निभाना बहुत सम्मान की बात है, लेकिन मेरे जैसी अभिनेत्री, जिसने अभिनय छोड़ने के बाद वापसी की हो और जो अपने करियर के चरम पर भी नहीं थी, उसे इस प्रकार का मौका मिलना वाकई सम्मान की बात है और यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।'' सेन ने 'आर्या' के तीसरे सीजन के लिए केरल की युद्ध कला कलारिपयाट्टू का प्रशिक्षण भी लिया। उन्होंने कहा, ''मुझे लगा था कि यह बहुत मुश्किल होगा, लेकिन मुझे सिखाने वाली टीम ने इसे मजेदार बना दिया।''

अभिनेत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था जब वह समीक्षाओं से डरती थीं लेकिन अब उन्होंने सकारात्मक और नकारात्मक दोनों समीक्षाओं को सहजता से लेना सीख लिया है। 'आर्या-3' में सिकंदर खेर, विकास कुमार, माया सराओ और इला अरुण ने भी अभिनय किया है।

फीचर फिल्म 'शर्माजी की बेटी' का होगा प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्देशक, लेखिका और निर्माता ताहिरा कश्यप खुराना की पहली फीचर फिल्म 'शर्माजी की बेटी' का मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर किया जाएगा। इसको लेकर ताहिरा ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह एक कॉमेडी फिल्म है जिसमें एक अनोखापन है। ताहिरा के निर्देशन में बनी लघु फिल्म 'टॉफी' ने पहले दर्शकों से प्रशंसा बटोरी थी। 'शर्माजी की बेटी' एक फीचर फिल्म निर्माता के रूप में उनकी पहली फिल्म है। ताहिरा को अपने पति आयुष्मान खुराना के साथ फेस्टिवल में शामिल होते देखा गया और उन्होंने फिल्म के बारे में बात की। ताहिरा ने कहा, मैं इस फिल्म के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे यहां तक पहुंचने में काफी समय लगा है। मैं नर्वस भी हूं क्योंकि यह पहली बार है जब मैं अपनी फिल्म बड़े पर्दे पर देखने जा रही हूं।

कहानी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कहानी हमेशा मेरे दिमाग में थी। जब हमारे पास सही कलाकार थे तो हमने इसे चुना। यह विभिन्न आयु वर्ग की 5 महिलाओं के बारे में है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। मैं वास्तव में चाहती हूं कि लोग इसे देखें और आशा करती हूं कि उन्हें यह पसंद आएगी। मामी फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म के प्रीमियर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने छह साल पहले मामी में अपनी लघु फिल्म 'टॉफी' के साथ अपनी शुरुआत की थी। मुझे लगता है कि मामी ने हमेशा मुझे उड़ने के लिए पंख दिए हैं और एक बार फिर उसने ऐसा किया है। 'शर्माजी की बेटी' आधुनिक, मध्यवर्गीय महिला अनुभव और शहरी महिलाओं के जीवन के बारे में है। फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के विजयनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत होने के बाद प्रथम बार पवन मांडोत के विजयनगर पहुंचने पर युवा साथियों एवं संघीय संस्थाओं द्वारा स्वागत किया गया।

दितुल मेहता ने उनके साथ नहीं रह रही (एस्ट्रेंज्ड) पत्नी ईशा राज द्वारा दायर दहेज प्रताड़ना वाले आपराधिक मामले में सीसीबी को जांच के अधिकार के खिलाफ याचिका दायर की थी जिसमें उच्च न्यायालय ने यह कहकर मेहता परिवार की याचिका खारिज कर दी....

सिटी क्राइम ब्रांच को जांच करने और आरोप पत्र दाखिल करने का पूरा अधिकार : कर्नाटक उच्च न्यायालय

उच्च न्यायालय ने कहा, पुलिस आयुक्त किसी भी मामले को सीसीबी को सौंपने के लिए अधिकृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने माना है कि सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) शहर की किसी भी पुलिस स्टेशन में दर्ज किसी भी मामले की जांच कर सकती है, बशर्ते उसे मामला सौंपा गया हो, और सीसीबी पुलिस द्वारा जांच पूरी होने पर आरोप पत्र दाखिल करना सीआरपीसी की धारा 173(2) के तहत अंतिम रिपोर्ट के समान है। यह अधिकार उसको सरकार द्वारा संसूचित आधिकारिक निर्देश के तहत उपलब्ध है।

उच्च न्यायालय ने कहा है कि एक बार जब सरकार ने सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) के पुलिस अधिकारियों को बेंगलूरु में संबंधित पुलिस स्टेशनों के वरिष्ठ अधिकारियों के रूप में कानूनी रूप से सशक्त बना दिया है, तो सीसीबी पुलिस को स्वतः ही सीआरपीसी की धारा 36 के तहत जांच करने और आरोप पत्र दायर करने की शक्ति मिल जाती है। न्यायालय ने यह भी कहा कि सीआरपीसी धारा 2(ओ) की परिभाषा के अनुसार, पुलिस को यह अधिकार पुलिस स्टेशन का प्रभारी अधिकारी बनने पर मिलता है। एक थानाधिकारी को जिस प्रकार जांच अधिकारी के रूप में जांच करने और चार्जशीट पेश करने का अधिकार है उसी प्रकार सीसीबी के वरिष्ठ अधिकारी को भी उसके समकक्ष अधिकार स्वतः प्राप्त हो जाता है।

बता दें कि उक्त मामला दहेज उत्पीड़न से संबंधित है। न्यायालय शहर के कारोबारी दितुल मेहता, यशवंत मेहता, प्रेमलता मेहता, अनु कांकरिया एवं रक्षित कांकरिया द्वारा दायर एक याचिका पर विचार कर रहा था। उन्होंने दितुल मेहता की अलग रह रही पत्नी ईशा राज (पुत्री जोधराज) द्वारा धारा 323, 354 (ए)(बी), 498ए, 504, 506 और आईपीसी की धारा 34 एवं दहेज निषेध अधिनियम की धारा 4 के तहत दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने का आग्रह करते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। न्यायमूर्ति के. नटराजन ने याचिकाओं को खारिज करते हुए उक्त टिप्पणी की।

यह शिकायत ईशा राज द्वारा बसवनगुड़ी पुलिस के समक्ष दर्ज कराई गई थी। बाद में बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त के निर्देश पर सीसीबी को स्थानांतरित कर दी गई। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने राज्य सरकार द्वारा 25 फरवरी, 2021 को जारी अधिसूचना को चुनौती दी थी, जिसमें सभी पुलिस स्टेशनों के एसएचओ को उपलब्ध शक्तियां प्रदान करके सीसीबी को जांच करने का समान अधिकार दिया गया था। यह भी दलील दी गई कि पुलिस आयुक्त के पास कर्नाटक पुलिस अधिनियम के तहत सीसीबी को जांच स्थानांतरित करने का कोई अधिकार नहीं है। याचिकाकर्ताओं की ओर से दावा किया गया कि चूंकि सीसीबी एक पुलिस स्टेशन नहीं है, इसलिए मजिस्ट्रेट उक्त एजेंसी द्वारा दायर आरोप पत्र पर संज्ञान नहीं ले सकते। हालांकि, अतिरिक्त महाधिवक्ता विक्रम हुइलगोल ने प्रस्तुत किया कि सीसीबी इस मामले की जांच के लिए लंबे समय से काम कर रही है और पुलिस अधिकारियों को जांच करने और आरोप पत्र दाखिल करने की शक्ति सौंपी गई है, जो सीआरपीसी धारा 173(2) के तहत अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के बराबर है।

इस पर न्यायमूर्ति नटराजन ने कहा कि राज्य में सीसीबी 3 सितंबर, 1971 से काम कर रही है और 25 फरवरी, 2021 को राज्य सरकार द्वारा एक पुलिस स्टेशन के समकक्ष शक्ति प्रदान करने के लिए जारी सरकारी अधिसूचना को रातोंरात की कवायद नहीं कहा जा सकता है।न्यायालय ने यह भी कहा कि पुलिस आयुक्त ने कर्नाटक पुलिस अधिनियम की धारा 7 के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त शक्ति के अनुसार कार्य किया था और जांच को सीसीबी को भेज दिया।न्यायालय ने कहा कि एक बार जब सीसीबी ने अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी, तो यह सीआरपीसी की धारा 173(2) के तहत पुलिस रिपोर्ट बन जाती है और इसलिए मजिस्ट्रेट को पुलिस रिपोर्ट पर सीआरपीसी की धारा 190 के तहत संज्ञान लेने का अधिकार है।

न्यायमूर्ति नटराजन ने कहा, 'इसलिए, मेरा विचार है कि सीसीबी पुलिस द्वारा की गई जांच सीआरपीसी की धारा 36 के प्रावधानों के अनुसार है और उनके द्वारा दायर आरोप पत्र टिकाऊ (विचार योग्य) है।' न्यायालय ने पाया कि आरोपी और शिकायतकर्ता, दोनों ने क्रूरता के आधार पर तलाक के मामले दायर किए थे, लेकिन परिवार अदालत ने अभी तक इन मामलों पर फैसला नहीं किया था। न्यायालय ने कहा कि तलाक के मामलों में उल्लेख की गई क्रूरता आईपीसी की धारा 498ए और दहेज निषेध अधिनियम की धारा 4 में परिभाषित क्रूरता के समान नहीं है। उसने स्पष्ट किया कि तलाक के मामलों में उठाए गए मुद्दे आपराधिक कानून में उल्लेख किए गए क्रूरता के मानदंडों से मेल नहीं खाते हैं।

उत्साह, निष्ठा और समर्पण से ही व्यक्ति आगे बढ़ता है : मुनि दीपकुमार

अभातेयुप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने पवन मांडोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत होने के बाद प्रथम बार पवन मांडोत के विजयनगर पहुंचने पर युवा साथियों एवं संघीय संस्थाओं द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि उत्साह, निष्ठा और समर्पण जिसमें होता है वह व्यक्ति और संगठन आगे बढ़ता है। चरैवेति-चरैवेति आगे बढ़ते चले-आगे बढ़ते चले यह सूत्र आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। जिसमें प्रतिभा और पुरुषार्थ का योग होता वह व्यक्ति ऊँचाईयों प्राप्त करता है। पवन मांडोत उपाध्यक्ष बने है यह विजयनगर समाज के लिए गौरव की बात है। इनका नाम भी गतिशीलता का प्रतीक है पवन। प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, अभातेयुप नव मनोनीत सदस्य विनोद मुथा, विशाल पितलिया, राकेश दक, विकास बांठिया एवं प्रदीप चोपड़ा का तेयुप विजयनगर द्वारा सम्मान किया गया।

तेरापंथी सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष राकेश पोखरणा, निवर्तमान अध्यक्ष श्रेयांस गोलछा, महिलामंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, आरआर नगर महिलामंडल अध्यक्ष सुमन पटावरी, सुवालाल चावत, अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, टीपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिम्मत मांडोत, अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत,तेयुप पदाधिकारी आदि ने नवमनोनीत उपाध्यक्ष पवन मांडोत को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन मंत्री कमलेश चोपड़ा ने किया, आभार संगठन मंत्री पवन बैद ने किया।।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कन्नड रक्षण वेदिके द्वारा गांधीनगर में कर्नाटक राज्य उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने कहा कि मैं बहुत ही सौभाग्यशाली हूं मैं की मेरा जन्म राजस्थान में हुआ और मुझे गर्व है कि कर्नाटक मेरी कर्मभूमि है यहां के विकास के लिए मैं तन, मन, धन से समर्पित हूं। इस मौके पर वेदिके के सदस्यों ने मुणोत का सम्मान किया।

अपने विवेक के कारण व्यक्ति संसार का सबसे उत्तम जीव : आचार्य महेन्द्रसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर । शहर के सुमतीनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसूरीश्वरजी ने कहा कि मानव जिस बुद्धिमत्ता और विवेकशीलता की वजह से न सिर्फ धरती पर उत्तम प्राणी होने का राज कर रहा है बल्कि विश्व के रहस्यों से परदा भी उठा रहा है। अगर उसमें सिर्फ बुद्धिमत्ता ही हो और विवेकशीलता न हो तो सिर्फ पृथ्वी के प्राणियों के लिए ही नहीं किंतु मनुष्य जाति के लिए भी खतरा बन सकती है। विवेकबुद्धि आते ही व्यक्ति का नजरिया बदल जाता है।

बेटियों घर आंगन की तुलसी होती है। इस संसार में सभी को समान अधिकार है। आज लड़का व लड़की समान रुप से विकास की राह पर अग्रसर है। हमें कभी भी भेदभाय नहीं करना चाहिए। सभी एक है।

एसआरएन आदर्श कॉलेज में मनाया गया कन्नड़ राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एसआरएन आदर्श पीयू व डिग्री कॉलेज में 68वां कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया। इस मौके पर प्रसिद्ध सामाजिक इतिहासकार धर्मेंद्रकुमार एरेनाहल्ली ने ध्वजारोहण किया तथा 'जय भारत जननीय तनुजते' गीत की प्रस्तुति दी। इस मौके आदर्श ग्रुप द्वारा धर्मेन्द्र कुमार एरेनहल्ली को उनके अद्वितीय सेवाओं के लिए 'आदर्श कन्नड़ कनमनी' की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने कन्नड़ भाषा और संस्कृति के संरक्षण और प्रचार के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नलवाडी कृष्णराज वोडेयार के अपार योगदान के बारे में भी विस्तार से बताया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पदमराज मेहता ने की। सचिव जितेंद्र मरडिया,सहसचिव अशोक भंसाली, प्राचार्य डॉ.एस प्रशांत, कंप्यूटर विभाग के प्रमुख पूर्णा प्रजना उपस्थित थे।इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कर्नाटक की सभ्यता व संस्कृति की प्रस्तुति दी गई।

ऋषभदेव व शांतिनाथ परमात्मा की रजत प्रतिमा का अनावरण कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएन पुरम श्रीरामपुरम के समणी भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि इस काल के अंदर हमको भवसागर से तैरना हो, इस संसार के अंदर से हमको निकलना हो, तो हमारे दो ही आधार है एक तो जिन मंदिर एवं प्रतिमा(चैत्य) और दूसरा है जो हमें अज्ञान रूपी अंधकार से दूर होने का एक मुख्य साधन है।

सही रास्ता जो दिखता है वह है आगम और आगम द्वारा ही हमारी इस डूबती हुई जीवन नैया को पर लगा सकते हैं और हमारे संग में बहुत ही सुंदर यह अवसर आया है। 5 नवम्बर को रवि पुष्य योग दिन सुबह प्रातः वेला में भगवान इस अवसर्पिणी कानिकल के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ परमात्मा एवं इस संघ के ऊपर हमेशा अपनी कृपा बरसाने वाले ऐसे श्री शांतिनाथ दादा की रजत प्रतिमा की स्थापना हो जा रही है। संतश्री ने दृष्टांत के माध्यम से रजत प्रतिमा को निर्माण करने वाले लाभार्थियों के प्रति आभार जताया। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि परमात्मा के वचनों के ऊपर पूर्ण श्रद्धा रखकर के अपना जीवन जो जीता है वह अनेक ऐसे बड़े-बड़े महापापों से बच जाता है क्योंकि एक तिलक जब परमात्मा की आज्ञा का एक प्रतीक है। हम भी तिलक करके बाहर भी जाते हैं तो सबसे पहले हमको गलत कार्य करना हो तो सबसे पहले उसे तिलक के सामने देखेंगे तो लगेगा आप अनेक ऐसे पापों से बच सकते हो, इसीलिए परमात्मा की आज्ञा सर्वोपरि है और हमारे श्री संघ के अंदर हमारे जीवन का सौभाग्य का सूर्योदय होने जा रहा है। हमारे श्री संघ के अंदर प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ प्रभु एवं श्री शांतिनाथ परमात्मा का अवतरण होने जा रहा है।

दिन में 15 घंटे काम किया, एलएंडटी में कार्यालय की मेज पर सोया : ए एम नाइक

मुंबई/भाषा

एलएंडटी के मानद चेयरमैन ए एम नाइक ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने दिन में 15-15 घंटे काम किया और लंबे समय तक काम करने के बाद कार्यालय की मेज पर सोये। उन्होंने पांच दशकों से अधिक समय में दिग्गज इंजीनियरिंग कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को खड़ा किया।

इससे पहले, इंफोसिस के सह-संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति ने राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं को प्रति सप्ताह 70 घंटे काम करने का सुझाव दिया था। उनके इस सुझाव पर काफी हंगामा हुआ।

नाइक ने कहा कि प्रतिदिन 15 घंटे काम करने के बाद, वह घर वापस जाते थे और उसके बाद एक घंटे एलएंडटी के बारे में सोचते थे। उन्होंने कहा कि बिड़ला द्वारा शुरू की गई कॉरपोरेट अधिग्रहण की लड़ाई के दौरान एलएंडटी को बचाने में पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस ने मदद की। फर्नांडीस अपने समाजवादी झुकाव के कारण कंपनी को किसी बड़े व्यापारिक घराने के हाथों में नहीं जाने देना चाहते थे।

नाइक ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कई प्रधानमंत्रियों से मुलाकात की और साथ ही दावा किया कि कभी-कभी प्रधानमंत्री एलएंडटी के कारण अपनी सरकार को बचाए रखने में सफल रहे। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया।

नाइक ने कहा कि वह सुबह की बैठकों के लिए रात भर यात्रा करते थे। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा, 'जब मैं छात्र था, मैं एक ऐसी कंपनी में शामिल होने के बारे में सोच रहा था जो निश्चित रूप से मुझे प्रौद्योगिकी नवोन्मेष और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का अवसर दे, लेकिन साथ ही जो मुझे राष्ट्र निर्माण में मदद करने के लिए एक मंच भी दे।'

नाइक ने 2017 में एलएंडटी के कार्यकारी चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि घंटों तक काम करने के बाद वह कई बार कार्यालय की मेज पर सो जाते थे।

राजराजेश्वरीनगर में 'दि पॉवर ऑफ रीडिंग' कार्यशाला सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरी के तत्वावधान में दि पॉवर ऑफ रीडिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यशाला प्रारंभ हुआ। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने सबका स्वागत किया। मुख्य वक्ता, प्रवक्ता उपासिका एवं पूर्व अध्यक्ष कंचन छाजेड़ ने कहा कि पढ़ने की शक्ति को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। नियमित पढ़ने से स्मरण शक्ति में सुधार होता है, समझ विस्तृत होती है, एकाग्रता बढ़ती है। नकारात्मक चिंतन सकारात्मक चिंतन में बदल सकता है , दृष्टिकोण बदलने से जीवन में बदलाव आता है। मंत्री पदमा मेहर ने कहा कि किताब से अच्छा कोई दोस्त नहीं हो सकता है। आपके जीवन में बहुत से दोस्त आते जाते हैं लेकिन किताब आपकी ऐसी दोस्त है जो कभी आपका साथ नहीं छोड़ती।

जीवन में सुख चाहिए तो सुख दीजिए : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि इस संसार में कोई भी तृप्त नहीं है। जब तक कोई चीज़ नहीं मिलती बहुत अच्छी लगती है मिलते ही अर्थहीन हो जाती है। अभाव में आकर्षण है। परमात्मा के मार्ग पर वही निकलता है जिसे यह स्पष्ट हो जाता है कि अपने से बाहर जाकर कोई भी कभी सुखी नहीं हो सकता। सदा अपने स्वभाव में रहें। जितने आप अपने से दूर होते जाते हैं, उतने ही दुखी होते जाते हैं सुख चाहिए तो सुख दीजिये। किसी के भी दुख का कारण न बनें। साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि हम सबकी

नाव तो एक सी नहीं हैं परंतु हमारे सबके जीवन में तूफान एक से ही हैं किसी के पास बड़ी नाव हैं, किसी के पास डोंगी, किसी के पास समुद्री जहाज है, कुछ तैर रहें हैं, कुछ डूबने को हैं मुसीबतें तो बड़ी छोटी सबकी हैं बस दयालु बनें और जो भी, जैसे भी, जितना भी कर सकते हैं एक दूसरे की मदद करें यही जीवन की सार्थकता और सुख का आधार है। मेघराज भंसाली ने सभी का स्वागत किया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com